दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 309 | ग्वालियर, मंगलवार 15 दिसम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

चोरों के आगे टेक्नोलॉजी फेल, पुलिस की नसीहत- नोट बचाने हैं तो एटीएम बदल दो

सूरत। केनरा बैंक के डी बोल्ट कंपनी के ही एटीएम को खोलकर नकदी चोरी करने वाले मेवाती गैंग के दो बदमाशों को पुलिस ने सूरत में गिरफ्तार कर लिया। गिरोह एटीएम से 20 लाख रुपए निकाल चुका था। चौंकाने वाली बात यह है कि सरगना बिल्कुल अनपढ़ है। क्राइम ब्रांच ने जिस वक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया, तब वे एक और एटीएम को निशाना बनाने वाले थे। यह गिरोह सिर्फ केनरा बैंक के डी बोल्ट कंपनी के एटीएम को ही निशाना बनाता था। ऐसे में अब पुलिस ने केनरा बैंक से कह दिया है कि चोरी और ठगी से बचना है तो इस कंपनी के सारे एटीएम बदल दो। 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, केनरा बैंक के देशभर में 9 हजार से ज्यादा एटीएम हैं।

ऐसे हैं चोर–सूरत के नानपुरा इलाके से आरोपी हनीफ सैयद और औसाफ हसन मोहम्मद सैयद की गिरफ्तारी हुई। दोनों यहां सारोली स्थित हारून लकड़ीवाले के गोदाम में किराए पर रहते थे। हनीफ छठवीं तो औसाफ तीसरी तक पढ़ा है। तीन फरार आरोपी साजिद खान, ज़हीर खान और इरफान खान सगे भाई हैं। मास्टरमाइंड साजिद समेत तीनों भाई अनपढ़ हैं। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, गिरोह दिन-रात दोनों समय वारदात करता था। इसकी किसी को भनक भी नहीं होती थी। पूरा एटीएम खोलने की बजाय नकली चाबी से सिर्फ डिस्प्ले खोलते। हर ट्रांजैक्शन के दौरान कैसेट से नोट ऊपर आते ही मशीन को ऑफ कर देते थे। ऊपर आ चुके नोट निकाल लेते। फिर कस्टमर केयर सेंटर को फोन करते कि खाते से पैसे कट गए, पर मिले नहीं। अकाउंट नंबर पर 19 बार 0 दिखाई देता तो वहां से रिफंड भी करवा लेते थे।

67 साल बाद क्या एक बार फिर एयर इंडिया की बागडोर आएगी टाटा ग्रुप के हाथ?

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप एयर इंडिया के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट फाइल कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप एयर एशिया इंडिया को व्हीकल के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है जिसमें टाटा संस का बड़ा हिस्सा होगा। ऐसा माना जा रहा है कि एयर इंडियाके 200 कर्मचारियों को भी एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट में जगह दी जाएगी। एयर इंडिया के लिए बोली लगाने की समय सीमा आज सोमवार को खत्म हो रही है। इस बीच प्रमुख कॉर्पोरेट घरानों टाटा, अडानी और हिंदुजा ने इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर किसी ने भी इस बारे में कुछ भी नहीं कहा है। एयर इंडिया के लिए बोली लगाने की अंतिम तिथि 14 दिसंबर है और सरकार ने अभी तक समय सीमा नहीं बढ़ाई है। हालांकि सरकार ने एयर इंडिया के लिए बोली लगाने वालों के लिए इन्टीमेशन तारीख को बढ़ाकर 5 जनवरी तक कर दिया है, जो पहले 29 दिसंबर तक थी। अभी फिलहार टाटा संस प्रीमियर एयरलाइन सर्विस विस्तारा सिंगापुर एयरलाइन के साथ मिलकर चला रहा है। सिंगापुर एयरलाइंस के एयर इंडिया में हिस्सेदारी के लिए पार्टनरशीप के लिए तैयार नहीं था, जिसके बाद एयर एशिया के साथ मिलकर एयर इंडिया में हिस्सेदारी खरीदने का प्लान कर रहा है। टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया यानी टाटा एयरलाइन्स को 1932 में शुरू किया था और सरकार ने 1953 में इसका नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और इसका नाम एयर इंडिया हो गया। इंडस्ट्री के मुताबिक एयर इंडिया का नियंत्रण एक बार फिर टाटा के पास जा सकता है। सरकार ने एयर इंडिया को बेचने के लिए नियमों में ढ़ील की है। अब वह एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस में 100 फीसदी हिस्सेदारी बेच रही है।

तोमर के किसानों का साथ मिलने के दावे पर येचुरी का वार, बोले-

कृषि मंत्री को नहीं पता कौन हैं किसान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन लगातार 19वें दिन जारी है। केंद्र सरकार पर नए कृषि कानूनों को वापस लेने का दबाव बनाने के लिए किसानों में अब अनोखा फैसला लिया है। देशभर में सभी किसान सोमवार को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक उपवास रखना तय किया है। किसानों का उपवास जारी है। साथ ही सभी जिला मुख्यालय पर धरना दे रहे हैं। इस बीच, सीताराम येचुरी ने कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर पर वार करते हुए कहा है कि उन्हें यही नहीं मालूम है कि किसान कौन हैं। दरसअल, तोमर ने दावा किया था कि कई किसान नेताओं ने कृषि कानूनों का समर्थन किया है। इससे पहले, राजधानी के आसपास के क्षेत्रों में प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओ ने रविवार को बैठक की। बैठक में तय किया गया कि किसान सिंधु, टीकरी, पलवल, गाजीपुर सहित सभी नाको पर अनशन पर बैठेंगे। बैठक के बाद किसान नेता शिव कुमार कक्का ने कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है, हम

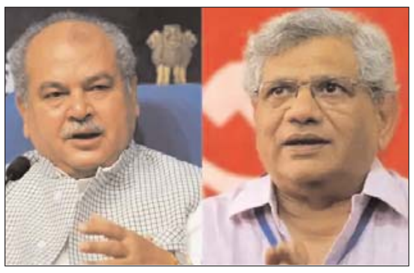

चाहते हैं कि तीनों कृषि कानूनों को फौरन निरस्त किया जाए। इस आंदोलन में भाग लेने वाले सभी किसान यूनियन एक साथ हैं।

- कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के किसान संगठनों के समर्थन वाले दावे पर सीपीआईएम के महासचिव सीताराम येचुरी ने पलटवार किया है। येचुरी ने कहा, कृषि मंत्री को पता नहीं है कि कौन किसान हैं। इस तरह के कृषि मंत्री कैसे हो गए। किसान अपने ट्रैक्टर लेकर आ रहें है। ट्रैक्टर किसके पास होता है? किसानों के पास। वे आ रहें है, लंगर लगा रहे हैं, अपना विरोध जता रहे हैं, उनकी मांग जायज है। कृषि मंत्री को पता नहीं है कि कौन किसान है। इस तरह के कृषि मंत्री कैसे हो गए। किसान अपने ट्रैक्टर लेकर आ रहें है। ट्रैक्टर किसके पास होता है? किसानों के पास। वे आ रहें है, लंगर लगा रहे हैं, अपना विरोध जता रहे - किसान संगठनों से मुलाकात के बाद कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने कहा, अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति के सदस्य तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार से आए थे।

क्या प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटना चाहते हैं कमलनाथ?

बोले-अब मैं आराम करना चाहता हूं

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी हताशा में नजर आ रही है। प्रदेश में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ के बयान से तो ऐसा ही लगता है। कमलनाथ ने एक रैली में कहा कि वो अब आराम चाहते हैं, जिसके कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। छिंदवाड़ा में समर्थकों को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने राजनीति छोड़ने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि अब मैं आराम करना चाहता हूं, मैंने काफी कुछ हासिल किया है।

दरअसल प्रदेश की सत्ता गंवाने व उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस में लगातार कमलनाथ के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। ऐसे में उनके इस बयान के कई तरह मायने निकाले जा रहे

हैं। कमलनाथ सिर्फ कोई पद छोड़ने की बात कर रहे हैं या फिर राजनीति से विदाई लेने की बात कर रहे हैं, इसपर कयास लग रहे हैं। कमलनाथ इन दिनों अपने बेटे के साथ छिंदवाड़ा के दौरे पर हैं, जो उनका गढ़ माना जाता है। अभी कमलनाथ मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता होने के साथ-साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में हाल ही में जब उपचुनावों में कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी तो लगातार कई नेताओं, विधायकों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया। हार का ठीकरा कमलनाथ पर फोड़ते हुए राज्य के कई नेता लगातार कह रहे हैं कि अब किसी युवा नेतृत्व की जरूरत है। कमलनाथ पर गलत टिकट बंटवारे, कमजोर उम्मीदवार और गलत रणनीति का आरोप लगा।

पहले सरकार गई और फिर उपचुनाव में पत्ता साफ

इससे पहले जब राज्य में विधानसभा चुनाव हुए थे, तब भी मुख्यमंत्री पद के लिए कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया में भिड़ंत हुई थी। तब कमलनाथ सीएम तो बन गए थे, लेकिन कुछ वक्त बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था। इसी का खामियाजा कांग्रेस अबतक उठा रही है, पहले सिंधिया समर्थक विधायकों के इस्तीफे से कमलनाथ की सरकार गिर गई और उसके बाद अब उपचुनावों में अधिकतर विधायकों ने बीजेपी के टिकट से जीत हासिल कर ली। केंद्रीय राजनीति में अपना दबदबा बनाने के बाद चुनाव से ठीक पहले कमलनाथ राज्य की राजनीति में एक्टिव हुए थे, उन्हें सीएम पद भी मिल गया था।

हां, माना उनके जीजा जी किसान हैं... रॉबर्ट वाड्रा के जरिए बीजेपी ने किया राहुल गांधी पर तीखा वार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे तमाम बॉर्डर्स पर कई दिनों से जारी किसान आंदोलन के बीच बीजेपी ने सोमवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा वार किया। पार्टी ने राहुल गांधी पर उनके जीजा जी (रॉबर्ट वाड्रा) के जरिए से हमला बोला है। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि राहुल गांधी को फसलों के नामों की जानकारी भी नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसान आंदोलन को लेकर लगातार केंद्र सरकार को घेरते आए हैं। उन पर पलटवार करते हुए बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, राहुल जी किसानों को भ्रमित करने के लिए बार-बार ट्वीट कर रहे हैं। राहुल जी कितना समझते हैं किसानी को। हां, माना उनके जीजा जी (रॉबर्ट वाड्रा) किसान हैं। आपको अंदर की बात बताता हूं कि रबी और खरीफ को वे बीजेपी कार्यकर्ता समझते हैं। उन्हें तो यह पता भी नहीं कि ये फसलों का नाम हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने किसान आंदोलन को लेकर विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, किसान आंदोलन पर विपक्ष भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान आंदोलन पर कहा कि कांग्रेस किसानों के नाम पर राजनीतिक रोटियां न सेंकें। उन्होंने कहा, देश के किसान इन कानूनों के पक्ष में हैं, जो किसान भाई सिंघु बॉर्डर पर बैठे हैं, वे भी हमारे अपने हैं। सरकार हर प्रश्न का उत्तर देने और हर समस्या के समाधान के लिए तैयार है।

अरविंद केजरीवाल पर बीजेपी का वार–वहीं, बीजेपी ने आम आदमी पार्टी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, आप तो वही अरविंद केजरीवाल जी और आम आदमी पार्टी हैं न, जिसने जब पंजाब में चुनाव हुआ था तो अपने मेनिफिस्टो में घोषणा की थी कि अगर पंजाब में हम सत्ता में आ जाएंगे तो बिचौलियों को हटा देंगे और एपीएमसी के जो कानून हैं, उनमें सुधार करेंगे। लेकिन, आज आप भूख हड़ताल पर बैठ गए।

35 साल पुराने रेप केस में फिर शुरू हुई सुनवाई, अब न मुख्य आरोपी जिंदा और न पीड़िता

कानपुर। 35 साल पहले बहला-फुसलाकर ले जाने और रेप का मुकदमा अचानक जिंदा हो गया। चौंकाने वाली बात है कि इस मामले के पीड़ित किशोरी व उसको भगा ले जाने का मुख्य आरोपित अब इस दुनिया में नहीं रहा। चार्जशीट पर स्टे के बाद आरोपित खुली हवा में घूम रहे थे। हाईकोर्ट से स्टे खारिज होने के बाद तारीख पड़नी शुरू हुई है। एडीजे 11 की अदालत में 14 दिसंबर को मामले की सुनवाई है।

यह है वारदात व आरोप–परमपुरवा जूही निवासी कपड़ा दुकानदार ने मुकदमा दर्ज कराया था कि पड़ोसी नरेश उसकी 14 साल की बेटी को 18 अक्टूबर 1985 की रात बहलाकर ले गया। नरेश किशोरी को यह कहकर इलाहाबाद ले गया कि मौसी के यहां शरण लेगा। इलाहाबाद में मौसी का घर न मिल पाने पर नरेश उसके साथ इलाहाबाद स्टेशन लौट आया। यहां दोनों को पप्पू उर्फ बिंदेश्वरी मिला। पप्पू दोनों को सिर छिपाने की जगह दिलाने के बहाने अपने घर ले गया। आरोप है कि घर में पप्पू ने नरेश को शराब पिलाकर नशे में धुत कर दिया। पप्पू और उसके साथी श्रीचंद ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद दोनों को जान से मारने की धमकी देकर दूसरे स्थान ले जा रहे थे। रास्ते में पुलिस दिखने पर किशोरी ने चिल्ला दिया। धूमनगंज पुलिस ने नरेश व पप्पू को गिरफ्तार कर लिया। श्रीचंद फरार हो गया। इधर, किशोरी के पिता ने जूही थाने में नरेश, उसके भाई रमेश, सुरेश, बहन जमुना देवी के खिलाफ 21 अक्तूबर 1985 को मुकदमा दर्ज कराया। किशोरी इलाहाबाद में बरामद हुई तो 29 अक्टूबर को उसके बयान के आधार पर जूही थाने में इलाहाबाद के पप्पू और श्रीचंद्र के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया। 25 नवंबर को पुलिस ने मुकदमे में चार्जशीट लगा दी। 22 जुलाई 1986 को जमानत पर छूटा पप्पू चार्जशीट पर हाईकोर्ट से स्टे ले आया। स्टे के चलते स्थानीय अदालत में सुनवाई पर रोक लग गई। 10 फरवरी 2019 में हाईकोर्ट ने रेप से जुड़े सभी मामलों के स्टे रद करने का आदेश जारी किया तो यह मुकदमा फिर शुरू हो सका।

छात्र विरोधी रवैया अपनाने पर सीबीएसई को फटकार

नई दिल्ली। छात्र विरोधी रवैया अपनाने पर उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को कड़ी फटकार लगाई। न्यायालय ने कहा है कि सीबीएसई छात्रों से दुश्मन की तरह व्यवहार कर रही है। मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने सीबीएसई की ओर से उच्च न्यायालय ने एकलपीठ के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई करते हुए यह तीखी टिप्पणी की है।

अपील में सीबीएसई ने एकलपीठ के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें कहा गया कि कोरोना महामारी के चलते रद्द हुए परीक्षा से प्रभावित छात्रों के लिए सीबीएसई द्वारा लागू की पुनर्मूल्यांकन योजना का लाभ परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को भी देने का निर्देश दिया था।पीठ ने कहा कि हम सीबीएसई के इस छात्र विरोधी रवैये को बिलकुल भी पसंद नहीं कर रहे। पीठ ने सीबीएसई को फटकार

लगाते हुए कहा कि आप छात्रों को बिना किसी उचित कारण के कुछ मामलों में सर्वोच्च न्यायालय तक मुकदमेबाजी में घसीट रहे हो। पीठ ने सीबीएसई से पूछा कि छात्र पढ़ाई करेंगे या फिर कोर्ट में मुकदमा लड़ेंगे। उच्च न्यायालय ने कहा कि अब हमें सीबीएसई पर जुर्माना लगाना शुरू कर देना चाहिए क्योंकि वह छात्रों को दुश्मन की तरह समझ रही है। उच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि पुनर्मूल्यांकन योजना का लाभ परिणाम में सुधार के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को मिलता है तो, इसमें एकलपीठ के आदेश में क्या खामी है। एकल पीठ ने 14 अगस्त को कोरोना महामारी के चलते रद्द हुए परीक्षा से प्रभावित छात्रों के लिए सीबीएसई द्वारा लागू की पुनर्मूल्यांकन योजना का लाभ सुधार के लिए आवेदन करने वाले सभी छात्रों को देने का निर्देश दिया था। कोरोना महामारी के चलते रद्द हुए परीक्षा से प्रभावित छात्रों के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर सीबीएसई द्वारा पुनर्मूल्यांकन योजना लागू की गई।

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

बंगाल में हमले के बाद बढ़ाई गई कैलाश विजयवर्गीय की सुरक्षा

जेड कैटेगरी के साथ मिलेगी बुलेटप्रूफ कार

> तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की थी कि पश्चिम बंगाल के तीन आईपीएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजने के वास्ते उन्हें मुक्त करने पर आखिरी निर्णय राज्य सरकार का ही होगा।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीते दिनों बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कैलाश विजयवर्गीय के काफिले पर हुए हमले के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने बीजेपी के बंगाल प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय की सुरक्षा को बढ़ा दिया है। अब विजयवर्गीय को बुलेटप्रूफ गाड़ी दी गई है। उन्हें पहले से जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और विजयवर्गीय के काफिले पर गुरुवार को उस समय हमला हुआ था, जब वे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के लिए डायमंड हार्बर जा रहे थे। इस दौरान, उनकी गाड़ियों पर पत्थरबाजी हुई थी। विजयवर्गीय ने पूरी घटना का वीडियो भी शेयर किया था। वीडियो में बाहर से गाड़ी के ऊपर पत्थर फेंकते हुए लोग दिखाई दे रहे थे। बीजेपी ने हमले के पीछे टीएमसी का हाथ बताया था, जिसे ममता बनर्जी ने खारिज कर दिया था।

सत्ता में लौटने के लिए हिंसा पर निर्भर ममता–बीजेपी महासचिव और बंगाल प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सत्ता में लौटने के लिए हिंसा पर निर्भर रहने का आरोप लगाया। उन्होंने रविवार को चुनाव आयोग से अपील की कि पश्चिम बंगाल में वर्तमान राजनीतिक हिंसा एवं आतंक के माहौल पर पूर्ण विराम लगाने के लिए तत्काल केंद्रीय बलों को तैनात किया जाना चाहिए। अगले साल अप्रैल-मई में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के बंगाल के रणनीतिकार ने चुनाव आयोग से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि भय एवं हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

हमले के बाद से टीएमसी और बीजेपी आमने-सामने–काफिले पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कथित कार्यकर्ताओं द्वारा हमला किए जाने को लेकर दोनों दलों के बीच वाकयुद्ध चल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नड्डा पर भीड़ के हमले को लेकर शनिवार को तीन आईपीएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति मांगी थी। ये तीन अधिकारी भोलानाथ पांडे (डायमंड हार्बर के पुलिस अधीक्षक, प्रवीण त्रिपाठी (उपमहानिरीक्षक, प्रेसीडेंसी रेंज) और राजीव मिश्रा (अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, दक्षिण बंगाल) नौ और दस दिसंबर को पश्चिम बंगाल की यात्रा कर रहे बीजेपी अध्यक्ष की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे।

अवैध तरीके से चल रहे क्रेसरों को बंद कराने ग्रामीणों ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

मोहन मांझी

गोहद पाली डिरमन व डांग बिरखडी में वैध और अवैध उत्खनन दोनों में ही लोगों की सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उत्खनन से बने गहरे गड्ढों में डूबने व गिरने से कई लोगों की मौतें हो चुकी हैं, वहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। बेवजह हुई लोगो की मोतो के मामले में जिम्मेदार अफसर जांच की बात कहकर इतिश्री कर लेते है। कई जिम्मेदार अधिकारियों का मानना है कि हम खदान देते हैं तभी से नियम लागू हो जाते हैं और नियमो का पालन नही करने पर हम ठेकेदार को नोटिस देते हैं। क्या केवल नोटिस देने मात्र से जिम्मेदारों की जिम्मेदारियां पूरी हो जाती है। क्या इसी तरह रहवासियो के लिए यह खदाने मोत की खदाने बनती रहेंगी। कई राजनीतिक कार्यकर्ताओ व सामाजिक लोगो ने इस उत्खनन के खिलाफ आवाज बुलंद की मगर प्रशासन ने उनकी बात अमल में लाना मुनासिब नही समझा। गोहद में करीब एक दर्जन से अधिक खदानें संचालित हैं। खनिज विभाग के अधिकारी दावा करते है कि सभी जगह सुरक्षा के इंतजाम हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। इक्का दुक्का खदानों को छोड़कर किसी भी खदान पर सुरक्षा के लिए न तो तार फेंसिंग है और न सूचना के लिए कोई बोर्ड लगाए हैं। खनिज ठेकेदारों ने माइन्स सेफ्टी के नियमों पर कोई ध्यान नही है। शिकायतकर्ता कमल नागर, जीतू जाटव, अजीतराम, विजय द्वारा दिये गए ज्ञापन के अनुसार डांग पहाड़ पर चल रहे अवैध रूप से क्रेसर संचालक हरपाल तोमर उर्फ बिचौले तोमर के द्वारा अवैध ब्लास्टिंग करने से मकानों के दरारे आ रही है। कई बार पशु हानि हुई है जिसकी सूचना एसडीएम व जिलाधीश को कई बार दी है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई यदि 17 दिसम्बर 2020 तक डांग पहाड़ से अवैध क्रेसर ओर वहाँ से पत्थर व मिट्टी ले जाने वाले वाहनों को बंद नही किया गया तो ग्रामवासी एव भीम आर्मी भारत एकता मिशन के कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन पर बैठेंगे।

17 दिसम्बर 20 गुरुवार तक अवैध क्रेसर बंद न होने पर धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

रहवासियों के लिए खदानों के गड्ढे बने मुसीबत

डांग बिरखडी में खदानों के गहरे गड्ढो कई रहवासियो व मबेशियो की जान जा चुकी है। लेकिन प्रशासन ने इन मौत के बाद भी कोइ सबक नही लिया, अभी भी गड्ढे के चारों ओर से खुले पड़े है यहां सुरक्षा के लिए कोई प्रबंध नहीं किए गए हैं।

एक नजर....

नगरीय निकाय लिपिक वर्गीय सरंक्षण कल्याण संघ भोपाल का पंजीयन हुआ

नागरीय निकाय लिपिक वर्गीय सरंक्षण कल्याण संघ भोपाल समिति के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सक्सेना,उपाध्यक्ष गुलाबराय देशमुख, महामंत्री वीरेंद्र चक्रवर्ती, संगठन मंत्री गजेन्द्र माहेश्वरी ने सयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम बताया कि मध्यप्रदेश की समस्त निकायो में कार्यरत लिपिक वर्गीय कर्मचारियों की ग वर्ग के मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर पदोन्नति, वेतन विसंगति, धारणा अधिकार,पुरानी पेंशन बहाली ओर अनेक समस्याओं के निदान के लीये संघ का गठन किया गया है जिसका दिनांक 6 दिसम्बर 2020 को मध्यप्रदेश सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 (सन1973 क्रमांक 44) के अधीन पंजीयन की गई है । पंजीयन क्रमांक 01/01/01/37236/20 रजिस्टर्ड हुआ है। मध्यप्रदेश की समस्त नगरीय निकायों में कार्यरत लिपिक वर्गीय कर्मचारियों में संघ का मध्यप्रदेश शाशन से पंजीयन होने पर हर्ष व्याप्त होकर नवीन पण्ड्या, राजकुमार ठाकुर, मधु भाई चौधरी, के.के.तिवारी, द्विवेदी जी,जीवनराय माथुर, रविन्द्र बोरदे, सतीश घावरी, विजय शर्मा, राजेश पंचोलिया, प्रभु पाटीदार, श्रीमति चोगले, आशा ठाकुर, जयश्री वर्मा, ममता पटेल, हिना शेख, मीना डाबर, सुनीता मेंम, सन्तोध राठौर सुनील कापड़िया,परमार जी अलोट, बनवारी शर्मा अजय ठाकुर, राकेश पटेल, टेकचंद बुनकर, महेश रमानी, नन्दलाल प्रजापति, ब्रजमोहन वैष्णव, महावि जी, शेरसिंह बघेल, जगदीश जी मिश्रा, दिनेश श्रीवास्तव, जे.पी.सेन, आशीष कानूनगो, अमित शाह, पंकज गोड़, शहजाद भाई, चांद खा, रेहानअली, प्रदीप रिछारिया जी, पांडे, लखनलाल तिवारी महेश दीक्षित प्रीतम मांझी दिनेश श्रीवास्तव आनंद शर्मा ने सभी कर्मचारियों को बधाई प्रेषित कर सहयोग के लीये धन्यवाद दिया।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ब्लॉक गोहद की कार्यकारिणी सदस्यों ने श्री के एल सेजवार खंड शिक्षा अधिकारी से छठवें एरियल एरियल की तीसरी

किस्त के आदेश की कॉपी दी एवं उनसे अक्टूबर एक मास का सातवां वेतन का एरियर भी डालने को कहा श्री विकास खंड शिक्षा अधिकारी ने आश्वासन दिया है कि अगले माह तक सभी का छटवें एरियल की तीसरी किस्त गिर जाएगी आजाद अध्यापक शिक्षा संघ के श्री ग्रामीण जिला अध्यक्ष जसवंत सिंह गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह भिलवार उपाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह गुर्जर कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री राम शंकर राजपूत सुरेंद्र सिंह तोमर प्रदीप बोरी सलाहकार विनोद माझी आत्माराम माझी मुकेश कौशल अनिल सिंगर करण सिंह नरवरिया आदि उपस्थित थे।

विजेता भाजपा प्रत्याशियों का शानदार स्वागत किया गया

पाली. नेनाराम सिरवी. राजस्थान में संपन्न हुए पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 के भाजपा के विजेता प्रत्याशी जिला परिषद एवं पंचायत समिति के प्रत्याशियों का शानदार स्वागत किया गया. रानी पंचायत समिति के नवनिर्वाचित प्रधान श्याम कवर मेड़तिया जिला परिषद वार्ड संख्या 17 के भाजपा विजेता प्रत्याशी दुर्गा सीरवी रानी पंचायत समिति वार्ड संख्या 1 के भाजपा विजेता प्रत्याशी संजू कवर का स्थानीय ग्रामीणों की महिलाओं द्वारा शानदार विजेता प्रत्याशियों का स्वागत किया गया. खोड ग्राम पंचायत सरपंच दुर्गा दाधीच द्वारा विजेता महिला प्रत्याशियों का ग्राम पंचायत मुख्यालय पर शाल ओढ़ाकर शानदार स्वागत किया गया. जिला परिषद वार्ड संख्या 17 के भाजपा विजेता प्रत्याशी दुर्गा सीरवी और सरपंच द्वारा नवनिर्वाचित प्रधान श्याम कवर मेड़तिया का राजस्थानी रीति रिवाज एम परंपरा के अनुसार शानदार स्वागत किया गया. इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि रूपेश दाधीच समाजसेवी गिरधारी सिंह मेड़तिया भाजपा जिला प्रतिनिधि मुकेश सीरवी उपसरपंच मालम सिंह वार्ड संख्या 1 की विजेता भाजपा प्रत्याशी के प्रतिनिधि रविंद्र सिंह वरिष्ठ पत्रकार ओपा राम मेघवाल जीतू गोयल आदि के उपस्थिति में नवनिर्वाचित रानी पंचायत समिति के प्रधान श्याम कंवर के प्रथम बार ग्राम पंचायत खोड आगमन पर शानदार स्वागत किया गया।

भारतीय जनता पार्टी से पवन सोनी टिकट के लिए कर रहे अपनी दावेदारी पेश

धीरज ओझा पत्रकार

बैराड। नगर परिषद चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं जो वही कई दावेदार अपनी टिकिट के लिए दावेदारी पेश करते नजर आ रहे है और हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हासिल को बाद ये तो स्पष्ट हो गया कि लगभग आगामी निकाय चुनाव में भाजपा का ही अध्यक्ष बनने के आसार हैं जिसमें अब सीट का आरक्षण भी हो गया और अनारक्षित सीट होने पर सामान्य जाती सहित पिछड़ा वर्ग के भी कई छुपारुस्तम दावेदारअब सामने आ गए है जिसमें भाजपा से बैराड़ मण्डल के मण्डल महामंत्री पवन सोनी जो कि भाजपा से टिकिट के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे जहां पर पूर्व में नगर परिषद में वार्ड नं 03 से पार्षद का चुनाव भी लड़ चुके है और जिसमें प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी से बराबरी का सामना किया हालांकि जीत नहीं पाए लेकिन जनता ने भरपूर सहयोग दिया लेकिन पर्ची डालकर पर्ची में पराजित होना पड़ा अगर बात करें हम पवन सोनी की तो समाज सहित अन्य समाजो में मजबूत पकड़ रखते है जो राजनीति में एक मजबूत पकड़ रखते है। जिसमें भाजपा यदि पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार पर अपनी किश्मत आजमाती तो निश्चित ही पवन सोनी टिकिट के दावेदार हो सकते है।

भिंड स्वछता के नाम पर नगर पालिका की खुलती पोल सार्वजनिक स्थलों पर नही दिखी स्वछता

अनिल पाराशर पुष्पांजलि टुडे क्राइम रिपोर्टर

भिंड जिले के अंदर नगर पालिका परिषद भिंड स्वछता के नाम पर लाखों रुपये का बन्दर बाट किया जाता है कचरा दान मंगाए गए एक दो जगह रखकर उनका उद्घाटन किया गया फिर वह शहर से कचरा दान गायब लेकिन कागजों में कचरा दान बहुत मंगाए गए लेकिन स्वछता आज भी लज्जा और शर्म के मारे हताश नजर आई शहर में स्टील लाइटें है गायब ठेकेदारों और पार्षदों के घर पर लगी है स्टील लाइट यह बात इन तस्वीरों को देख कर कही जा सकती है ।जो तस्वीर भिंड शासकीय बस स्टैंड की नजर आ रही है ।सवारीयो के लिए नही है कोई भी सुलभ सुविधा जिस कारण भिंड का नाम साफ सफाई को लेकर मध्य प्रदेश में लज्जित कर रहा है जब कि भिंड जिला कलेक्टर ने सफाई दरोगाओं के खिलाफ सफाई कर्मियों के खिलाफ कार्यबाही भी सुनिश्चित की है ।लेकिन आज तक कार्य गति पर नजर नही आ रहा है ।शासकीय बस स्टैंड परिसर में भर रहा गंदा पानी जिसको लेकर बस ऑपरेटर चालक चिंताजनक बने हुए है ।बस स्टैंड के पास बना नाले का निर्माण कार्य क्षतिग्रस्त काफी दिनों से पड़ा हुआ है ।जिसकी साफ सफाई मेंटिनेश नही होने के कारण जलभराव के हालात निर्मित हो रहे है ।नाले से निकलने बाला गंदा पानी बस स्टैंड के फील्ड में भर जाता है ।जहाँ बस पर सवारी भी नही बैठ पाती इसी कारण बस को बाजार के मुख्य रास्ते पर खड़ा कर सवारी बेठालने का का कार्य किया जाता है ।

फर्जी सीआईडी जवान देहात पुलिस भिंड ने किया गिरफ्तार लड़कियों को प्यार के जाल में फंसा कर करता था फर्जी शादियां

बारात से पहले दुल्हन को वीडियो कॉल करके फस गया युवक, अब खा रहा जेल की हवा

भिण्ड/ जिले में सीआईडी जवान बनकर लड़की को प्यार के जाल में फंसा कर और फिर उसे शादी का झांसा देकर एक युवक द्वारा तीन लाख से अधिक रुपए हड़पे जाने का मामला सामने आया है। लड़की की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब 10 दिसंबर को शादी की तारीख पर युवक बारात लेकर नहीं पहुंचा। बाद में लड़की के परिजनों द्वारा युवक को 5 लाख रुपये वीडियो कॉल पर दिखाए जाने पर वह बारात लाया और तभी पुलिस ने उसे धर दबोचा। पूछताछ में सामने आया कि युवक इससे पहले भी दो शादियां कर चुका है।

लड़की वाले अक्सर लड़के और उसके परिवार के बैकग्राउंड को देखकर ही लड़की की शादी तय करते हैं। लेकिन कभी-कभी प्यार में पड़कर बिना कुछ देखभाल किए ही केवल भरोसे पर रिश्ते तय हो जाते हैं और अक्सर ऐसे रिश्तों में धोखा भी मिलता है। ऐसा ही हुआ है भिंड जिले के देहात थाना क्षेत्र में स्थित नुन्हाटा गांव की रहने वाली है एक लड़की के साथ। यहां पर जितेंद्र परिहार नाम के एक युवक ने अपने आप को सीआईडी का जवान बताकर एक लड़की को अपने प्यार के जाल में फंसाया और प्यार की बात शादी तक पहुंच गई। जितेंद्र

परिहार ने खुद को उत्तर प्रदेश के जगम्मनपुर का निवासी बताया। जब शादी की बात चली तो जितेंद्र ने एक महिला को अपनी चाची बनाकर लड़की के परिजनों से मिलाया और 10 दिसंबर को शादी की तारीख तय हो गई। शादी से पहले ही जितेंद्र ने बुलेट सहित अन्य सामान खरीदने के नाम पर 3 लाख 10 हजार रुपये लड़की के परिजनों से हड़प लिए। लेकिन जब 10 तारीख को जितेंद्र बारात लेकर नहीं पहुंचा तो लड़की वालों को शक हुआ और उन्होंने इसकी सूचना देहात थाना पुलिस को दी। बाद में लड़की वालों ने वीडियो कॉल कर जितेंद्र को 5 लाख रुपये नगद दिखाते हुए कहा कि यह रुपए शादी में देने के लिए रखे हुए हैं। रुपए देखते ही जितेंद्र को लालच आ गया और वह कुछ लोगों की बारात लेकर लड़की के यहां पहुंच गया। जितेंद्र के पहुंचते ही देहात थाना पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि जितेंद्र पहले से ही शादीशुदा है। उसने एक नहीं दो-दो शादियां कर रखी हैं। जितेंद्र के घर की तलाशी लेने पर मध्यप्रदेश के साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस की वर्दी सहित एक अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया।

मीटिंग मे अधिकारियों के न पहुंचने से गुस्साए बीएलओ, तेहसीलदार मीटिंग में बीएलओ को संतुष्ट नहीं कर सके

गोहद –आगामी दिनों में होने वाले चुनावों से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा 01जनवरी 2021 तक 18 वर्ष पूर्ण करने बाले सभी नागरिकों के वोट बढ़ाने के लिए बीएलओ को दिशा-निर्देश देने के लिए निर्वाचन अधिकारी ने जनपद पंचायत सभागार में मीटिंग बुलाई जिसमें सभी बीएलओ निर्धारित समय पर मीटिंग स्थल पर पहुंच गए लेकिन वहां किसी भी अधिकारी के न पहुंचने से सभी वापस जाने लगे और हंगामे की स्थिति बनी उसी समय तहसीलदार आर एल वर्मा मीटिंग लेने पहुंचे जहां उन्होंने 1 जनवरी 2021 को 18 वर्ष पूर्व पूर्ण करने वाले मतदाताओं के वोट बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू करने एवं कार्य को गति देने की बीएलओ को कहा जिसमें कई बीएलओ की शिकायत रही कि कई लोगों के पास उम्र का कोई प्रमाण नहीं है कई बेटियां अभी हाल ही में अन्य जगह से शादी कर के यहां आई हैं उनके शादी कार्ड राशन कार्ड इत्यादि लगाए जाते हैं लेकिन वोट नहीं बढ़ाए जाते हैं ऐसी स्थिति में वोट बढ़ाने में परेशानी आती है साथ ही कई ऐसी लोग हैं जिनके पास राशन कार्ड समग्र आईडी आधार कार्ड इत्यादि नहीं है उनके भी वोट नहीं बडाए जाते हैं जिस पर तहसीलदार वर्मा जी द्वारा बीएलओ को समझाया गया लेकिन जवाब से संतुष्ट नहीं हो सके इसी जद्दोजहद के साथ मीटिंग का समापन भी हो गया।

इटावाथानाध्यक्ष लवेदी सुरेश चंद्र का अनिल दोहरे ने किया स्वागत

आज अखिल भारतीय दोहरे समाज महासंघ के प्रदेश प्रभारी अनिल दोहरे ने लवेदी के थानाध्यक्ष सुरेश चन्द्र को पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। थाना बकेवर में तैनात रहे एसएसआई सुरेंद्र चन्द्र को थाना लवेदी का थानाध्यक्ष बनाया गया। स्वागत के दौरान अनिल दोहरे के साथ रामकृष्ण राजपूत, सत्येंद्र दोहरे, संदीप गौतम, आशीष यादव, विवेक यादव, अंकित दोहरे आदि लोग मौजूद रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने औरैया मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

औरैया- आज मुख्यालय पर सपाइयों को पुलिस रोकते हुए किसानों के लिए धरने की तैयारी कर रहे समाजवादी पार्टी के नेतागण एवं कार्यकर्ता एवं उनके अधिकारों की हक, की लड़ाई ,लड़ने, के लिए एव अधिकार दिलाने के लिए के लिए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष मा0 राजवीर सिंह यादव जी मा0 ओम प्रकाश ओझा जी , मा0 जितेंद्र कुमार दोहरे जी, मा0 धर्मेंद्र यादव जी जिला अध्यक्ष युवजनसभा , माननीय टिल्लू राजपूत जी जिला अध्यक्ष यूथ बिग्रेड ,श्री नीरज प्रधान जी, और भी काफी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे

कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के अंतर्गत जनपद एटा में प्रशासन एवं पुलिस की कड़ी नजर

एटा। जिला मजिस्ट्रेट सुखलाल भारती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विवेक कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कृषि कानूनों के अंतर्गत चल रहे आंदोलन को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में लगातार भ्रमण सील रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने पर प्रमुख रूप से जोर दिया जा रहा है। द्वारा जिलेभर में संयुक्त रूप से भ्रमण किया गया जा रहा है। इसके साथ ही राजनीतिक दलों, किसान बन्धुओ से शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु अपील की जा रही है।डीएम, एसएसपी के कुशल नेतृत्व में जनपद में विभिन्न स्थानों, प्रमुख चौराहों, बाजारों आदि स्थानों पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा कड़ी नजर रखी जा रही है। तो वही कानून व्यवस्था व शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु तैनात पुलिस बल की ड्यूटी चेक कर व ब्रीफ कर समुचित दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन एवं पुलिस का हर संभव प्रयास है कि जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनी रहे।

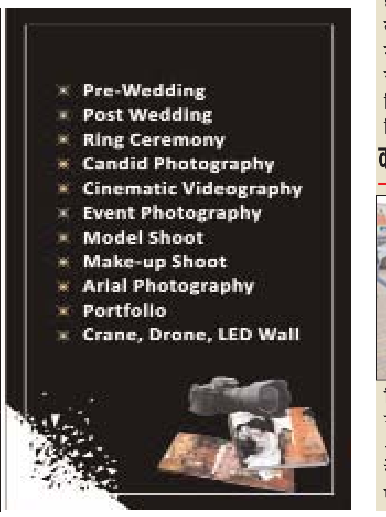

VISION 2030
ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती
जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।
ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।
Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एमपी में स्कूल फीस बढ़ोतरी को लेकर गाइडलाइन जारी, शिवराज सरकार ने बनाये नियम

भोपाल। कोरोना काल में निजी स्कूलों व अभिभावकों के बीच लगातार फीस को लेकर आ रहे विवादों को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने अब नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने बाकायदा इसका गजट नोटिफिकेशन भी कर दिया है। निजी स्कूल अब अपनी मर्जी से 10 फीसदी तक ही फीस बढ़ा सकेंगे। 10 से 15 प्रतिशत के बीच यदि फीस बढ़ाते हैं तो उन्हें जिला समिति की मंजूरी लेना होगी। 15 प्रतिशत या इससे ज्यादा फीस बढ़ाने पर उन्हें कारण बताना होगा कि आखिर यह बढ़ोतरी क्यों? स्कूल शिक्षा विभाग ने साल 2017 से अब तक तीन सालों की सभी स्कूलों से बैलेंस शीट भी मांगी है।

यह भी कहा है कि फीस के लिए एक नया खाता अलग से खोले ताकि उसकी मॉनिटरिंग भी पर की जा सके। मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 का उपयोग करते हुए सरकार ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

नए दिशा-निर्देश

1.नए शिक्षण सत्र में प्रस्तावित फीस स्ट्रक्चर क्या होगा, यह भी अपलोड करना होगा। वह भी तब जब फीस में वृद्धि 10 प्रतिशत या उससे कम है। यह नए सत्र से 90 दिन पहले जानकारी अपलोड करना होगी।

2. यदि पिछले शैक्षणिक सत्र की तुलना में 10 से अधिक और 15 प्रतिशत या उससे कम है तो जिला समिति को भेजना होगी, वह इस पर 45 दिन में निर्णय लेगी।

3. यदि यह फीस वृद्धि 15 प्रतिशत से ज्यादा है तो जिला समिति 7 दिन में अपने अभिमत के साथ राज्य समिति को भेजेगी।

4. जिला समिति निजी विद्यालय के प्रबंधन से ऐसी अतिरिक्त जानकारी या साक्ष्य मांग सकेगी कि वह फीस क्यों बढ़ा रहे है।

5. फीस बढ़ाने पर निर्णय लेने से पहले समिति स्कूल प्रबंधन और छात्रों या पालक संगठनों का पक्ष भी ले सकेगी।

6. निजी स्कूल प्रबंधन या उसकी ओर से कोई भी व्यक्ति तय फीस के अलावा फीस लेते है और किसी छात्र, माता-पिता या अभिभावक द्वारा शिकायत होती है तो उस पर कार्रवाई होगी। कमेटी यह फीस वापस भी करवा सकेगी।

यह निर्णय भी लिए गए

1. स्कूल प्रबंधन छात्र या पालकों को पुस्तकें, यूनिफार्म, टाई, जूते, कॉपी केवल चयनित विक्रेताओं से खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेंगे।

2. स्कूल प्रबंधन यूनिफॉर्म को छोड़कर किसी भी पाठ्य सामग्री पर स्कूल का नाम नहीं लिखेगा या लिखवाएगा।

3.निजी स्कूल यदि यूनिफॉर्म में परिवर्तन करते हैं तो वह अगले तीन सत्रों के लिए मान्य होगी।

4. स्कूल द्वारा छात्रों को परिवहन सुविधा देने पर पालकों से ली जानी वाली इसकी फीस भी प्रस्तावित फीस स्ट्रक्चर में दिखाना होगी।

5. फीस वृद्धि को लेकर छात्र या अभिभावक द्वारा की गई शिकायत पर जिला समिति जांच करेगी। समिति स्वप्रेरणा से भी संज्ञान ले सकती है।

शहडोल के जिला अस्पताल में दो और बच्चों की मौत

17 दिन में 23 की गई जान

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल के जिला अस्पताल में रविवार को दो और बच्चों की मौत हो गई। इन दो मौतों को मिलाकर अब तक 23 शिशुओं की जान जा चुकी है। एक बच्ची की मौत कारण फीडिंग के दौरान श्वास नली में दूध जाना बताया जा रहा है, जबकि दूसरी बच्ची की बुखार व सर्दी से पीड़ित बताई गई है। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, तब तक मासूम की सांसें थम चुकी थीं।बच्चों की मौत के इन दो नए मामलों से एक बार फिर अस्पताल में हड़कंप की स्थिति बन गई।

26-27 नवंबर की रात से अब तक जिला चिकित्सालय में 23 शिशुओं की मौत हो चुकी है। सिविल सर्जन डॉ. जीएस परिहार के अनुसार रविवार दोपहर करीब 12 बजे उमरिया जिले के टिकुरी टोला (पाली) से चार माह की बच्ची सुहानी पिता किशन बैगा को जिला अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकों ने जांच की तो उसकी सांसें थम चुकी थीं। चिकित्सकों ने पीआईसीयू में उसे रिवाइव करने की कोशिश की, लेकिन निराशा ही हाथ लगी। एसएनसीयू व पीआईसीयू प्रभारी डॉ. निशांत प्रभाकर के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि बच्ची की मौत बुखार व सर्दी के कारण हुई है। मामला दिमागी बुखार का भी लग रहा है। बच्ची की हालत बेहद गंभीर होने के बाद परिजन उसे लेकर यहां आए थे।

एसएनसीयू में भर्ती हैं 28 बच्चे

जिला चिकित्सालय के एनएनसीयू में रविवार को कुल 28 बच्चे भर्ती थे। जबकि पीआईसीयू में 7 बच्चे भर्ती हैं। सभी का उपचार चल रहा है।

76 और बच्चे मिले पड़ित

महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले ने रविवार को 48 गांवों का सर्वे किया और 839 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान 76 बच्चों को उपचार योग्य पाया गया। दो बच्चों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। अधिकांश बीमार बच्चे शीत जनित बीमारियों से पीड़ित थे।

श्वास नली में आया दूध

जिला अस्पताल में रविवार दोपहर ही पीडियाट्रिक वार्ड में भर्ती चार माह की एक और बच्ची रीतू पिता रिंकू बैगा की भी मौत हो गई। रीतू को उमरिया के चननिया गांव से करीब 4 दिन पहले यहां इलाज के लिए लाया गया था। जांच में यह बात सामने आई कि रविवार को दूध पिलाते समय रीतू की मां सो गई और फीडिंग करते-करते दूध बच्ची की श्वास नली में चला गया। जब मां की नींद खुली तो बच्ची की सांसें थम चुकी थीं।

थाना प्रभारियों ने दिखाई मानवता, सड़क पर पड़े शवों को थाने के वाहन से अस्पताल पहुंचाया

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा सिटी थाना क्षेत्र के अरनियां चौकी के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ। जयपुर-जबलपुर हाईवे पर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार मामा-भांजे की मौके पर ही मौत हो गई। ब्यावरा सिटी थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर ने बताया कि कालीपीठ निवासी कुलदीप दांगी और ढकोरा निवासी महेश पिता शंकर लाल दांगी कालीपीठ से ढकोरा में शादी समारोह में भाग लेने जा रहे थे, इसी बीच अरनियां चौकी के पास तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक क्रमांक यूपी 75 एम 9963 के चालक ने तेज गति व लाफरवाही से ट्रक चलाते हुए टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई । दोनों मृतक रिश्ते में मामा भांजे है।

दोनों थाना प्रभारियों ने शव उठाकर पोस्ट मॉर्टम के लिए भेजे- ऐंक्सीडेंट के बाद दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई लेकिन हाईवे से शवों को उठाने के लिए कोई तैयार नहीं हुआ। मृतकों के परिजन शव देखकर रो रहे थे, इसी बीच ब्यावरा सिटी थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर और ब्यावरा देहात थाना प्रभारी आदित्य सोनी पहुंचे और दोनों थाना प्रभारियों ने मानवीयता दिखाते हुए अपना फर्ज निभाया और ग्रामीणों की मदद से दोनों ने शवों को पुलिस वाहन में रखकर पोस्ट मॉर्टम के लिए ब्यावरा के सिविल अस्पताल में भिजवाएं।

कृषि विधेयक को लेकर किसानों के बीच कांग्रेस और राष्ट्रविरोधी शक्तियां भ्रम फैला रही है: राजेश सोलंकी

भिण्ड। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश सोलंकी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मोदी सरकार खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए तीन विधेयक लेकर आई है, लेकिन कांग्रेस और राष्ट्र विरोधी शक्तियां किसान बिल को लेकर किसानों को भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास कर रही है। किसानों और जनता तक कृषि विधेयक की सच्चाई बताने के भारतीय जनता पार्टी ने जन जागरण प्रारंभ किया है। स्वतंत्रता के बाद से अपनी उन्नति और खुशहाली के लिए तरस रहे किसानों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की दृष्टि से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी की सरकार ने ऐतिहासिक कानूनी प्रावधान किये है। अधिकारों से वंचित किसानों को अपने उत्पाद का मूल्य निर्धारण करने और उसे अपनी इच्छा के अनुरुप स्थान पर बेचने आदि की स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए तीन विधेयक के माध्यम से कानूनी प्रावधान किये गये है। एक राष्ट्र, एक बाजार की अवधारणा विकसित करने के लिए यह बाधा मुक्त व्यवस्था किसानों के लिए की गई है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश सोलंकी ने भिण्ड सर्किट हाउस पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी दिन-रात पसीना बहाने वाले किसान को अपनी फसलों का मूल्य स्वयं निर्धारित करने का अधिकार नही दिया गया और उसे दलालों के जबड़े में डालकर रखा गया। आज जब किसानों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कानूनी प्रयास किया जा रहा है,तब कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का विरोध यह इंगित करता है कि किसानों से दलाली खाने वालों से इनके संबंध क्या है। मजेदार बात तो यह है कि कांग्रेस और अन्य दलों के जो नेता आज कानूनी सुधारों का विरोध कर रहे है, वही नेता संसद से भीतर से लेकर बाहर तक इनकी वकालत करते थे। स्पष्ट है कि इनका दोहरा चरित्र समाज के सामने उजागर हुआ है।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश सोलंकी ने कहा कि राजा नबाव,अंग्रेज और कांग्रेस तक के शासनकाल में किसानों के हित में ऐसा कोई काम नही हो सका,जिसका उल्लेख किया जा सकें,लेकिन आज जब देश के किसान को अभिमान और स्वाभिमान देने के प्रयास किये जा रहे है,तब विरोधी दलों के पेट में मरोड़ हो रही है। सच तो यह है कि देश और देश के लोगों के हित में जब भी फैसले लिये जाते है,तब कांग्रेस को विरोध ही करना होता है। नागरिकता संशोधन कानून की बात हो,कश्मीर से धारा-370 हटाने का विष्य हो,मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के कलंक से मुक्ति दिलाने का निर्णय हो या फिर भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण की बात हो,कांग्रेस ने हर राष्ट्रीय विषय पर देश का वातावरण खराब करने का प्रयास किया है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश सोलंकी ने कहा कि यदि कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों को किसानों को मिलने वाले इन अधिकारों से चिढ़ है और वे किसान को निरंतर निरीह और कमजोर देखना चाहते है तो उनकी यह अमानवीय सोच उनको मुबारत हो, लेकिन उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब किसान को लाचार नही रहने देगी। नये कानूनों का लाभ किसानों को मिलना प्रारंभ हो गया है। दो दिन पूर्व ही होशंगाबाद में झांसा देने के एक उद्योगपति के प्रयास इसी कानून के कारण विफल हुये है जिसकी प्रशंसा सिर्फहम नही कर रहे, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज पटेल ने भी की है। जिस कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष किसानों से दस दिन में कर्जमाफी जैसे बड़े-बड़े वादे करके लापता हो जाता हो, उस पार्टी के लोगों से किसानों के प्रति संवेदनशील की उम्मीद नही की जा सकती है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश सोलंकी ने कहा कि जिस पार्टी का मुख्यमंत्री कमलनाथ भारी ओलावृष्टि और बाढ़ के हालातों में मंदसौर, श्योपुर, भिण्ड तक टेलीस्कोप लगाकर भी किसान के खेत की ओर नही देखता हो, उस पार्टी की सरकार किसानों के हित में क्या कदम उठायेगी? आज पूरे देश की विशेषकर मध्यप्रदेश की जनता यह जानती है कि मध्यप्रदेश किसान वेलफेयर स्टेट है। इसलिए पिछले दिनों कांग्रेस के बंद के आह्वान को स्वयं सिकानों ने ही फेल कर दिया। मजेदार बात यह है कि म.प्र. देश का पहला राज्य है जिसने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में चार हजार रुपये की वृद्वि करके 10 हजार रूपये किसान को देने का निर्णय लिया। प्रदेश में 78 लाख से अधिक किसानों के खातों में 3 हजार 705 करोड रूपये दिये जा चुके है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश सोलंकी ने कहा कि कोरोना संकट के बावजूद गेहूं खरीदी में मध्यप्रदेश का ऑल टाइम नंबर वन बनना कोई छोटी बात नही है। जबकि कांग्रेस की कमलनाथ सरकार तो किसान फसल बीमा का प्रीमियम भी डकार गई थी।

दूल्हे को बग्गी से उतारकर ले गई दिल्ली वाली गर्लफ्रैंड, दुल्हन करती रही इंतजार

बदायूं। बारात लेकर दुल्हन लेने जा रहे एक युवक को रास्ते में उसकी दिल्ली वाली गर्लफ्रैंड ने रोक लिया। बग्गी पर चढ़कर उसने दूल्हे को यह एहसास कराया कि वह उसकी पहली पत्नी है और तमाशे से बचना हो तो सीधे उसके साथ चले। दूल्हा अपनी पगड़ी आदि बग्गी पर छोड़कर कार में पुरानी पत्नी (दिल्ली वाली गर्लफ्रैंड) के साथ चला गया और बारात देखते रह गए। इस घटना की इलाके में व्यापक चर्चा है।

मामला उझानी इलाके का है। यहां रहने वाला एक युवक दिल्ली में रहकर नौकरी करता था। वहां उसकी मुलाकात वहां एक युवती से हुयी और दोनों ने वहीं पर शादी कर ली। इधर, युवक ने अपने परिजनों से यह बात छिपाये रखी। नतीजतन परिवार वालों ने उसकी शादी कछला रोड निवासी एक युवती के साथ तय कर दी। युवक लगभग 10 दिन पहले यहां पहुंचा तो परिजनों ने उसे बताया कि शादी तय हो चुकी है और बैंडबाजा भी बुक है। कलह न हो, इसलिए वह मामले को दबाये रहा। नतीजतन बीते रोज शादी की रस्में पूरी होने के साथ ही बारात भी जाने लगी। इसकी भनक दिल्ली वाली पत्नी को लगी तो वह कार से यहां पहुंची तो बारात उझानी के पुराने टाकीज के पास थी और बाराती नाचने-गाने में मशगूल थे। पहली पत्नी ने बग्गी पर चढ़कर पांच सौ रुपये का नोट दूल्हे के सिर पर लगाकर फोटो खिंचवाये तो लोग दंग रह गये कि आखिरकार वह कौन है। जबकि इसके बाद उसने दूल्हे को हड़काया तो दूल्हा कार में बैठकर उसके साथ चला गया। बारात भी रास्ते से ही वापस लौट गई। हालांकि किसी पक्ष ने इस मामले में पुलिस को तहरीर नहीं दी है।

किसानों के समर्थन में सड़क पर उतरे सपाई और कांग्रेसी, कई गिरफ्तार

गोरखपुर। किसान आंदोलन के समर्थन में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ता सोमवार को गोरखपुर में जगह-जगह सड़क पर उतरे। इस बीच प्रदर्शन के मद्देनज़र कल से चौकन्नी पुलिस ने सपा के जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी, नगर अध्यक्ष जियाउल इस्लाम सहित पार्टी के कई नेताओं को गिरफ्तार कर दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के घर पुलिस तैनात रही। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें घर से निकलने नहीं दिया जा रहा है। बाद में पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर थाने ले आई। सपा नेता सुनील सिंह को भी उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। सपा के नेता और वार्ड नंबर 20 गिरधरगंज से पार्षद प्रतिनिधि राघवेंद्र प्रताप सिंह को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उधर, नगर निगम पहुंचे कई सपाइयों को पुलिस गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गई। पुलिस लाइन में बैनर लगाकर सभा कर रहे सपाइयों से पुलिस की झड़प भी हुई। सपाइयों ने पुलिस लाइन में ही सभा शुरू कर दी।

सरकारी जमीन पर माफिया ने अवैध कब्जा कर बनाया था हॉस्टल, चले बुल्डोजर

ग्वालियर। माफिया और गुंडों के अवैध साम्राज्य के खिलाफ शासन प्रशासन का अभियान जारी है। इसी क्रम में हिस्ट्रीशीटर विनोद कुशवाह का अतिक्रमण रविवार को हटा दिया गया। पांच करोड़ रुपए की सरकारी जमीन पर कब्जा कर बिल्डिंग बनाने वाले अपराधी विनोद कुशवाह का दिव्यांग छात्रावास रविवार को हटा दिया गया। जड़ेरुआ बांध पर अतिक्रमण की गई जगह पर विनोद ने दिव्यांग छात्रावास का बोर्ड लगा रखा था। राजस्व व पुलिस दस्ते ने बांध से एक किलोमीटर दूर जड़ेरुआकला में भी कुछ अतिक्रमण हटाए। अतिक्रमण से मुक्त हुई जमीन की कुल कीमत 15 करोड़ 71 लाख 25 हजार रुपए आंकी गई है। एसडीएम पुष्पा पुषाम ने बताया कि पुलिस थाना मुरार ने विनोद कुशवाह पुत्र राजकुमार सिंह (57) निवासी आरकेएस पुरम मुरार के खिलाफ दर्ज प्रकरणों की जानकारी भेजी थी। इसमें उसके द्वारा सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण की जानकारी दी गई। इस आधार पर एक दिन पहले राजस्व टीम जड़ेरुआ बांध पहुंची और उसे जमीन खाली करने को कहा। रविवार को सर्वे क्रमांक-112 की करीब एक बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया। इस दौरान विनोद का बेटा मौजूद था, इसे सामान हटाने का समय भी दिया गया। जड़ेरुआ व जड़ेरुआकला से अतिक्रमण हटाते वक्त आसपास की कुछ महिलाएं एकत्रित हो गई और रोने लगीं। चूंकि मौके पर दो थानों मुरार व महाराजपुरा का पुलिस बल मौजूद था, इसलिए कार्रवाई में व्यवधान नहीं आया।

यहां से भी हटाए गए अतिक्रमण जड़ेरुआकला में सरदार सिंह व अन्य ने सर्वे क्रमांक 377,378 की सरकारी जमीन के रकबा 0418 हैक्टेयर पर नींव खोदकर प्लाट काटने की तैयारी कर ली थी। इस जमीन की कीमत चार करोड़ पांच लाख रुपए है। निगम की टीम से यहां खोदी गई नींव को नष्ट कर दिया। जड़ेरुआकला में ही सर्वे नंबर 211 की सरकारी जमीन के रकबा 0.627 हेक्टेयर पर राजमन, भारत गुर्जर व रामहेत ने कब्जा कर लिया था। यहां पर भूसे की टाल, कुछ कच्चे-पक्के निर्माण भी थे, इन्हें भी हटा दिया गया।

अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर लगाया साजिश का आरोप, आजमगढ़ के नाम को लेकर चेताया

आजमगढ़ । यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में सीएम योगी आदित्यनाथ पर बड़ा हमला किया। अखिलेश ने योगी आदित्यनाथ पर साजिश रचने का आरोप लगाया। अखिलेश ने आजमगढ़ का नाम बदलने की चर्चा पर चेतावनी भी दे दी। दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन अखिलेश यादव पूर्व मंत्री दुर्गा यादव के आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश में अगली सरकार सपा की ही बनेगी लेकिन रणनीति नहीं बताएंगे। अखिलेश ने कहा कि बाबा जी (योगी आदित्यनाथ) की सरकार साजिश करती है। अखिलेश ने यह भी साफ किया कि इस बार बड़े दलों से गठबंधन नहीं होगा। शिवपाल की पार्टी से गठबंधन के सवाल पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि यह घर का मामला है, बैठ कर आपस में समझ लेंगे। आज़मगढ़ का नाम बदलने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि नाम बदलने वालों का नाम बदल देंगे। किसानों के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमला करते हुए अखिलेश ने कहा कि बीजेपी ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था। कम से कम एमएसपी ही दोगुना कर दी जाए। अखिलेश ने विकास कार्यों में भेदभाव का भी सीएम योगी पर आरोप लगाया। कहा कि आजमगढ़ मेरा क्षेत्र से इसलिए विकास रोका गया है। यहां कला भवन अधूरा पड़ा है। हवाई पट्टी अब तक वैसे ही है। साढ़े तीन साल में 4 किलोमीटर पट्टी नहीं बन पाई। अखिलेश ने कहा कि ये लोग जानते हैं कि हवाई पट्टी बन जाएगी तो हम लोग ज़्यादा आएंगे। कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे हमारी योजना थी, उसे पीएम ने दोबारा शिलान्यास किया।

नगर आयुक्त, मेयर पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा, चार घंटे बाद ही स्पंज

अलीगढ़। अलीगढ़ में सासनीगेट थाना क्षेत्र के महेन्द्र नगर में गड्ढे में गिरकर डॉक्टर की मौत के मामले में पुलिस ने नगरायुक्त, मेयर समेत छह अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया लेकिन अधिकारियों पर दर्ज मुकदमा चार घंटे बाद ही स्पंज कर दिया गया।

रविवार सुबह महेंद्र नगर में हादसे के बाद मृतक डॉक्टर राजीव की पत्नी रश्मि गुप्ता की ओर से थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी गई। रश्मि ने पूरे घटनाक्रम में नगर आयुक्त, महापौर, निर्माण विभाग, जलकर विभाग, दोनों के सम्बंधित अधिकारी, जेई एवं ठेकेदार को दोषी माना है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद सभी अधिकारियों के पद के नाम से मुकदमा लिखा गया। मुकदमे के चंद घंटे बाद ही पुलिस ने मुकदमा स्पंज करने की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना हैं कि परिवार की ओर से लिखित में कहा गया हैं कि उन्होंने त्रुटीवश तहरीर दे दी थी। ऐसे में मुकदमा स्पंज किया जा रहा है।

जितनी तेजी से दर्ज किया मुकदमा, उतनी ही रफ्तार से स्पंज- मामले में तहरीर मिलते ही आनन-फानन में मुकदमा दर्ज कर लिया। मुकदमें में आइएएस अधिकारी तक को नामजद किया गया। लेकिन चंद घंटें बाद ही मुकदमें को स्पंज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। गड्ढे में गिरकर एक डॉक्टर की मौत हो गई है। मामले में डॉक्टर की पत्नी की ओर से तहरीर देकर नगर आयुक्त, मेयर समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमा दर्ज करने के कुछ देर बाद वादी की ओर से दूसरी तहरीर आई। जिसमें उसने बताया कि उसने पहली तहरीर त्रुटीवश दी है। वह मुकदमा नहीं चाहती है। इस पर पुलिस ने मुकदमा को स्पंज किया है।

बीजेपी नेताओं को सीएम योगी का चुनावी संदेश

कहा- मिशन-2022 में जुट जाएं, चक्कर न लगाएं

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी नेताओं, सांसदों, विधायकों को रविवार को चुनावी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। चक्कर न लगाएं। कोई काम न करे तो चुपचाप संगठन को बताएं। संगठन और सरकार भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता के साथ खड़ा है। उन्होंने जिलाध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को सरकारी बैठकों में जाने से भी परहेज करने को कहा। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बागपत रोड स्थित भाजपा पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय में मेरठ मंडल के संगठन के पदाधिकारियों की बैठक ली। करीब घंटे भर की बैठक में उन्होंने कहा कि मिशन-2022 में कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी जुट जाएं। अब विधानसभा चुनाव में बस एक साल का समय रह गया है। इसे ध्यान में रख लें।

कांग्रेस द्वारा भ्रमित किए गए किसानों के बीच जाएगी भाजपा, किसानों को करेगी जागरूक: नाथू गुर्जर

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने कहा हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के जनजागरण एवं किसान सम्मेलन के आव्हान को लेकर 16 दिसम्बर बुधवार को समय 12 बजे ग्वालियर चम्बल संभाग के किसानों का विराट सम्मेलन ग्वालियर महानगर के फूलबाग मैंदान में 12 बजे आयोजित किया जा रहा हैं, जिसमें भिण्ड जिले के सभी 26 मण्डलों के प्रत्येक ग्राम पंचायतों से किसान पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की कृषिय संसोधन बिल में किए गए किसानों के हितों को समझाने के लिए केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सांसद श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया बताएंगे कि कांग्रेस और राष्ट्रविरोधी ताकते किसानों को भड़काने का कार्य कर रहीं हैं। जिससे किसान भ्रमित हो रहे हैं, उनकी यह शंका को दूर करने के लिए उक्त भाजपा के वरिष्ठ नेतागण कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह उद्गार उन्होंने किसान सम्मेलन की तैयारी को लेकर स्वामी विवेकानंद विद्यालय परिसर भिण्ड में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। जिसमें सांसद श्रीमती संध्या राय, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य केशव सिंह भदौरिया, रविसेन जैन, पूर्व विधायकों में शिवशंकर समाधिया, मुकेश चौधरी, मुन्ना सिंह भदौरिया, कोक सिंह नरवरिया, अजय सिंह भदौरिया, अशोक सिंह कुशवाह, संजीव कांकर मंचासीन थे।

भाजपा मीडिया सेंटर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया हैं कि पार्टी जिलाध्यक्ष गुर्जर ने किसान सम्मेलन की व्यापक तैयारियों के लिए सभी पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिला एवं मण्डल और सभी जनप्रतिनिधियों को आग्रह किया कि अपने-अपने मण्डलों के प्रत्येक ग्राम केन्द्रों तक पहुंचकर किसान सम्मेलन में पहुंचने के लिए जनसंपर्क अभियान के माध्यम से आमंत्रित करें। जिले से सभी किसान अपने-अपने वाहनों, बसों से ग्वालियर के फूल बाग मैदान के लिए कूच करेंगे। सभी मण्डल अध्यक्ष अपने-अपने वाहनों पर बैनर और पार्टी के झण्डे लगाकर आएं ताकि पता चल सकें कि किस मण्डल से कौन सी बस आई है।

किसान सम्मेलन की तैयारी को लेकर आज होंगी बैठकें: किसान सम्मेलन की तैयारियों को लेकर 15 दिसम्बर को एक साथ सभी मण्डलों में मण्डल सह बैठकें आयोजित की जाएगी, जिसमें भिण्ड नगर के सुभाष मण्डल में अमित चौधरी, महाराणा प्रताप मण्डल में पूर्व विधायक मुन्ना सिंह भदौरिया, वनखण्डेश्वर मण्डल में महेन्द्र सिंह कुशवाह, भिण्ड ग्रामीण ऊमरी अशोक सिंह कुशवाह बाराकलां, पीपरी में कोक सिंह नरवरिया, भिण्ड ग्रामीण मनोज अनंत, मेहगांव रविसेन जैन, गोरमी अजय सिंह भदौरिया, सोनी केशव सिंह भदौरिया, दंदरौआ में शैलेन्द्र सिंह गुर्जर, गोहद ग्रामीण संजीव कांकर, मालनपुर में लक्ष्मीनारायण शर्मा, गोहद नगर में श्रीमती अर्चना शर्मा, लहार नंदराम बघेल, मिहोना में संजीव नायक, असवार में रामकुमार महते, आलमपुर में कप्तान सिंह कौरव, दबोह में भगवानदास नायक, अटेर थान सिंह भदौरिया, सुरपुरा में कौशलेन्द्र सिंह कुशवाह, फूफ में गुरूदेव सिंह नरवरिया बैठक लेने पहुंचेंगे।

बिपिन सिंह तोमर (भिडौसा) को सपाक्स पार्टी

में मुरैना जिले का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है इस मौके पर उन्हें साथियों सहयोगी समर्थको ने फूल-माला पहना कर बधाई दी।

बधाई देने वालों में

भीम सेन तोमर थरा जय तोमर खडियाहार अनिल तोमर सिहोनिया राजेश तोमर मुरैना रोहित शिकारवार कैलारस ओमपाल जादौन जौरा अन्य सेकड़ों समर्थन शामिल हैं

सम्पादकीय

बड़ी न सही, लेकिन बहुत हो नौकरी

पिछले नौ महीनों के कोविड काल में गिरावट के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था फिर उठ खड़े होने के संकेत दे रही है। कई प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में सकारात्मक रुख देखे जा रहे हैं। सुधार का यह अंदाजा इस बात से भी लगाया जाएगा कि देश के कॉलेजों व यूनिवर्सिटियों में प्लेसमेंट कैसे होंगे और युवा इंजीनियरों व एमबीए डिग्री धारियों को कैसी नौकरियां मिलेंगी? उच्च शिक्षा संस्थानों में सारे काम अब धीरे-धीरे शुरू हो रहे हैं। अभी तक पठन-पाठन का काम ऑनलाइन कक्षाएं लगाकर किया जा रहा था, किंतु अब कैंपसों में विद्यार्थियों के लौटने का इंतजार किया जा रहा है। उधर, देश के शीर्षस्थ इंजीनियरिंग एवं प्रबंध संस्थानों में प्लेसमेंट की हलचल शुरू हो चुकी है। 1 दिसंबर, 2020 से पुराने आईआईटी संस्थानों में वर्चुअल ढंग से प्लेसमेंट का दौर शुरू हो चुका है। पहले की तरह कंपनियों के प्रतिनिधि विद्यार्थियों के इंटरव्यू व चयन के लिए कैंपस में नहीं आए हैं। इसकी तैयारियां कई महीने से चल रही थीं। आईआईटी मुंबई, कानपुर, खड़गपुर, मद्रास और दिल्ली से जो प्लेसमेंट की खबरें आ रही हैं, उनसे लग रहा है कि नियोक्ता कंपनियों में कोविड से पैदा हुए आर्थिक ठहराव के बावजूद कोई पस्तहिम्मती नहीं है।आईआईटी संस्थान देश में ही नहीं, वरन विश्व भर में अपनी बेहतरीन शैक्षणिक गुणवत्ता से धाक जमा चुके हैं। नियोक्ताओं के लिए आईआईटी और आईआईएम सबसे ज्यादा आकर्षण के केंद्र होते हैं। वर्ष 1951 में आईआईटी, खड़गपुर का उद्घाटन जब तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने किया, तब उन्होंने अपने भाषण में उम्मीद जताई थी कि ये संस्थान एक दिन भारतीय अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण की नींव बनेंगे। आजेउस सपने के सच होने से इनकार नहीं किया जा सकता। आईआईटी, खड़गपुर की तरह आईआईटी, मुंबई इंजीनियरिंग के शीर्ष संस्थानों में गिना जाता है। इसकी स्थापना 1958 में हुई थी और यहां प्लेसमेंट के लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियां आती हैं। प्लेसमेंट के पहले दिन ही माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, एपल, बीसीजी जैसी अनेक विश्वस्तरीय कंपनियों को देखा गया। 2020-21 के प्लेसमेंट सीजन के पहले दो दिन में 35 कंपनियों ने 400 नौकरियां बांटीं और सोनी, जापान ने 1.63 करोड़ रुपये (करीब 13 लाख रुपये मासिक) का वार्षिक पैकेज दिया, जो सर्वाधिक रहा। अगले कुछ महीनों तक करोड़ों रुपये के पैकेज दिए जाने की खबरें अखबारों व टीवी चैनलों पर चर्चा का विषय बनती रहेंगी, लेकिन हमें यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि ऐसी ही मोटी तनख्वाह आईआईटी संस्थानों में तमाम विद्यार्थियों को मिलती होगी। मिसाल के तौर पर, अभी तक की बात करें, तो आईआईटी, मुंबई का औसत पैकेज करीब 16.06 लाख रुपये वार्षिक रहा है, जो पिछले साल 20.08 लाख रुपये था। आईआईटी, मुंबई का वार्षिक पैकेज ऊंचा इसलिए भी रहता है, क्योंकि वहां प्लेसमेंट के लिए ज्यादा विदेशी कंपनियां आती हैं। लेकिन करोड़ रुपये के पैकेज की उत्साहवर्द्धक खबर से हमें अभिभूत होकर उन तथ्यों को नजरंदाज नहीं करना चाहिए, जो भारत में उच्च शिक्षा के कटु विरोधाभासों को उजागर करते हैं। देश के 4,800 इंजीनिरिंग कॉलेजों में सभी जगह यह नजारा नहीं मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग-शिक्षा में संकट लगातार बढ़ा है, इसके कई कारण हैं। सैकड़ों इंजीनियरिंग कॉलेज या तो बंद हो चुके हैं या बंदी के कगार पर हैं। एआईसीटीई उन कॉलेजों की मान्यता भी रद्द कर रही है, जो न्यूनतम संख्या में भी दाखिले नहीं कर पा रहे हैं।

जीएसटी से बेहाल सरकार अब राहत की कशमकश में

जीएसटी पर केंद्र सरकार और गैर बीजेपी शासित राज्यों के बीच मामला सुलझता नहीं दिख रहा है. पहले जीएसटी की 41वीं बैठक में उम्मीद थी की कुछ बात बनेगी लेकिन उसे 42वीं बैठक के लिए राज्यों के उपर फैसला लेने को छोड़ दिया गया. सोमवार को जीएसटी काउंसिल की 42वीं बैठक में भी कुछ खास निकल कर नहीं आया। दरअसल दिल्ली, पश्चिम बंगाल, पंजाब समेत कई राज्य अपने बकाए को लेकर केंद्र सरकार से मांग कर चुके हैं. केंद्र सरकार ने राज्यों को ऑप्शन भी दिए लेकिन इसके बावजूद ये राज्य इसपर अहसमति जता चुके है. लिहाजा कुछ भी ठोस सामने निकल कर नहीं आ रहा है. दरअसल केंद्र सरकार को हर महीने में 2 बार राज्यों को जीएसटी मुआवजे की किस्त देनी होती है. कोरोना वायरस के चलते लगे लाकडाउन के बाद टैक्स कलेक्शन बेहद कम रही है. सरकार को यह आभास हो चुका है कि वो राज्यों को मुआवजा देने में सक्षम नहीं है. केंद्र सरकार को राज्यों को कम्पेनसेशन सेस के तौर पर 14,000 करोड़ देने पड़ रह हैं जबकि इस सेस से केंद्र के पास केवल 8000 करोड़ का ही कलेक्शन आ पा रहा है। 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद नए कानून में यह तय किया गया कि साल 2022 तक राज्यों को राजस्व का जो भी नुकसान होगा, उसकी भरपाई केंद्र सरकार करेगी। गुड्स एंड सर्विसेस (कम्पेनसेशन टू स्टेट्स) अधिनियम 2017 के तहत केंद्र का राज्यों को मुआवज़ा देना अनिवार्य है. इस नियम के तहत केंद्र को राज्यों को उनका मुआवजा देना होता है. नए नियम बनने के बाद आधार वर्ष 2015-16 को मानते हुए यह तय किया गया कि राज्यों के इस प्रोटेक्टेड रेवेन्यू में हर साल 14 फीसदी की बढ़त को मानते हुए गणना की जाएगी. केंद्र की तरफ से कहा गया कि राज्यों को मिलने वाला सभी मुआवजा जीएसटी के कम्पेनसेशन फंड से दिया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों चालू वित्त वर्ष के दौरान माल एवं सेवाकर राजस्व में होने वाले करीब 2.35 लाख करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई को लेकर एक दूसरे के आमने सामने हैं. केंद्र के कैलकुलेशन के हिसाब से इस राशि में से करीब 97,000 करोड़ रुपये की ही राशि है जिसका नुकसान जीएसटी पर अमल की वजह से होगा जबकि शेष 1.38 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान कोविड-19 के प्रभाव की वजह से होगा। राज्य और केंद्र सरकार के बीच मुआवजे को लेकर तो उलझन चल ही रही है. लेकिन इस जीएसटी लागू होने के बाद ऑनलाइन सिस्टम को आम जनता और कारोबारियों का न समझ पाना. वहीं बार बार टैक्स दरों में बदलाव से भी कारोबारी और लोग काफी परेशान हुए है. पेट्रोल-डीजल को अबतक जीएसटी के दायरे से बाहर रखना और जीएसटी बिल के फर्जीवाड़े ने भी खूब समस्या खड़ी की है। जीएसटी एक्ट का सेक्शन 10(1) इस बात की इजाजत देता है कि टैक्स संग्रह की अन्य राशि में से भी राज्यों को मुआवजा दिया जा सकता है. लेकिन वित्त मंत्री के उधार लेने की बात के बाद भी गैर बीजेपी शासित राज्य अपनी सहमति नहीं जता रहे लिहाजा 41वी फिर 42वीं और अब नूतन वर्ष में उम्मीद की जा रही है कुछ हल निकल कर आए।

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
युवा लेखक/साहित्यकार/स्तंभकार

ब्राण्डेड बुखार

आजकल हर व्यक्ति अपने निजी काम को बहुत ही अच्छे ढंग से करने मे विश्वास रखता है। सबसे ज्यादा ध्यान तो इस बात पर रहता है कि हम अच्छा खाये,पिये और पहने। अब व्यक्ति अपने व्यक्तित्व को निखारने और प्रभावशाली बनाने के लिये प्रयासरत रहता है। वह सोचता है कि वह सबसे अच्छा दिखे। इसलिये वह अनेक प्रयास और उपायों को अपनाता है। अपनी सुन्दरता,आकर्षण और व्यक्तित्व विकास हेतु वह महँगी वस्तुओं, कपडों और विभिन्न दैनिक उपयोग की चीज़ो को प्रयोग करता है। व्यक्तित्व विकास के लिये अच्छे और महँगे कपड़े,जूते पहनना धीरे-धीरे जरुरत से ज्यादा आदत बन जाती है। इस आदत पर काफ़ी खर्चा भी होता है। व्यक्ति दैनिक जीवन मे उपयोग होने वाली सभी चीजें ब्राण्डेड ही उपयोग करना पसंद करता है। ब्राण्ड का बुखार यानी ब्राण्डेड प्रोडक्ट्स खरीदने की आदत बच्चे,बूढ़े और जवान सभी के सिर चढ़कर बोल रही है। सभी अपने पसंदीदा कपड़े,जूते और दैनिक उपयोग की वस्तुयें ब्राण्ड स्टोर से ही खरीद रहे है। दूसरों को प्रभावित करने के लिये और दिखावे की खातिर लोग ब्राण्डेड बुखार की जकड़ मे आ चुके है। इससे बचने के लिये समझ रूपी पैरासीटामाल ही माल के चक्करों से छुटकारा दिला सकती है।

आप चाहे कोई भी और कितने भी जोड़ी कपड़े और जूते पहन ले, कुछ समय बाद उनका रंग फीका हो जाता है या उन चीजों के निरंतर प्रयोग से मन ऊब जाता है। किसी दूसरे को दिखाने के लिये अपने पैसों मे आग लगाना, यह कोई समझदारी तो नही। जीवन दिखावे का नाम नही, जीने का नाम है। असली जिन्दगी बिना किसी संकोच और हीनभावना के ही जीना अच्छा होता है। आपके इस दिखावे की आदत का सबसे बड़ा फ़ायदा बहुराष्ट्रीय कंपनियों को होता है। इस दिखावे की कला को वह अवसर के रूप मे भुनाने से नही चूकती। देश के लगभग हर शहर और कस्बे मे इन कम्पनियों के स्टोर खुले हुये है। जहाँ लोकलुभावन ऑफर देकर आपकी जेब हल्की की जा रही है। दो खरीदो एक मुफ्त पाओ और चीज़ो पर पचास से सत्तर प्रतिशत की छूट का भी झुनझुना आपको थमा दिया जाता है। आप इसे विशेष छूट समझकर फूले नही समाते है। उदाहरण के तौर पर यह समझने वाली बात है कि यदि जीन्स की कीमत तीन हजार रुपये है। वह छूट पाकर यदि आपको कुछ कम कीमत पर मिलती है तो आपको लगता है कि बहुत फ़ायदा मिल गया। आप भी यह जानते है कि इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की चीजों उन पर लिखी कीमत पर न तो बिक सकती है और न ही कोई खरीदेगा। इसीलिये यह कम्पनियां ऑफर- ऑफर का खेल करके आपके साथ खेल कर जाती है। आप भी जानते होगे कि आप खरीदी गयी चीजों की गुणवत्ता की नही अपितु उनके नाम और उन पर लगे टैग की कीमत चुकाकर स्टोर से बाहर निकलते है। आपकी समय की कमी,विशेष आवश्यकताओं और सहज सुविधा का फायदा उठाने हेतु लगभग सभी कम्पनियां ऑनलाइन भी उपलब्ध है। आजकल ऑनलाइन शॉपिंग भी बहुत प्रचलित हो गयी है। लोग मनचाही चीज़े घर बैठे मंगाकर फूले नही समा रहे है। इसके चलते वह कभी ठगी का शिकार भी हो रहे है। इसलिये शॉपिंग ऑनलाइन या बाजार से करते समय सावधान और सजग रहने की जरुरत है। आप इस बात का स्मरण रखे कि आप स्वयं मे अति महत्वपूर्ण है। इसलिये दिखावे से कोई फ़ायदा नही है। आपके पास एक परिवार है जिसकी छोटी- बड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति करना आपका कर्त्तव्य है। इसलिये मितव्ययी बने और इस ब्राण्ड और टैग के झंझटो से खुद को मुक्त करे। आप बहुत ही अच्छा महसूस करेगे। यदि आपके पास बहुत सारा धन है तो उसे मानव सेवा मे खर्च करे। आपको इससे आत्मिक संतुष्टि भी प्राप्त होगी।

अभिषेक कुमार शुक्ला
शिक्षक, विचारक, स्वतंत्र लेखक
सीतापुर, उत्तर प्रदेश

चिंता

देश कब सीखेगा टिकाऊ और स्तरीय सड़कें बनाना

आर.के. सिन्हा

एक बात समझ ली जाए कि खराब डिजाइन की सड़कें और उनपर होने वाले हादसे एक-दूसरे से गहराई जुड़ी हुई हैं। दुनियाभर में होने वाले कुल जमा सड़क हादसों में भारत का हिस्सा 11 फीसद है। भारत में हर साल लगभग पांच लाख सड़क हादसों में डेढ़ लाख लोगों की जान चली जाती है और छह लाख लोग जिंदगी भर के लिये अपंग हो जाते हैं। गडकरी जी दिन-रात कोशिश कर रहे हैं ताकि हमारी सड़कें और राजमार्ग पूरी तरह सुरक्षित हों। पर यह काम सड़कें डिजाइन करने वालों, बनाने वालों से लेकर इनके प्रबंधन आदि से जुड़े सभी लोगों को करना होगा। सोच लीजिए कि हमारे यहां केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट, दिल्ली के मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा और मशहूर एक्टर जसपाल भट्टी जैसी हस्तियों को सड़क हादसों में ही जान से हाथ धोना पड़ा था। सड़क हादसों में प्रति वर्ष लाखों लोग जीवन भर के लिए विकलांग हो जाते हैं, इसका कभी कोई पुख्ता आंकड़ा नहीं मिल पाता।

सड़क हादसों के वैसे तो तमाम कारण गिनाए जा सकते हैं। पर 66 फीसद हादसों का कारण तेज रफ्तार से वाहन चलाना ही है। तो इसपर भी हर हाल में नियत्रंण करना ही होगा। इसके लिए तेज वाहन चलाने वालों पर कठोर दंड लगाया जाना नितांत आवश्यक और उचित माना जा सकता है। इस सवाल पर कोई बहस नहीं हो सकती। आप छोटे शहरों की तो बात छोड़ दीजिए, राजधानी दिल्ली के मुख्य मार्गों पर तमाम कार और दूसरे वाहन चालक अनाप-शनाप गति से अपने वाहनों को दौड़ाते हुए कभी भी मिल जाएँगे। इन्हें मानों ड्राइविंग से तो कोई लेना-देना होता ही नहीं। ये अकारण ओवरटेक करने की फिराक में लगे रहते हैं। इन्हीं सब कारणों के चलते इतने ज्यादा हादसे होते हैं।

इस बीच, यह तो कोई नहीं मानेगा कि हमारे यहां प्रमुख सड़कों और राजमार्गों के स्तरों में कोई सुधार नहीं हो रहा है। पर यह भी उतनी ही बड़ी सच्चाई है कि हमारे यहां सड़कों की प्लानिंग से लेकर उन्हें बनाने के काम में जमकर लूटपाट होती है। छोटे शहरों से लेकर महानगरों की सड़कों को सही तरह से नहीं बनाया जाता। नतीजा यह होता है कि एक तेज बारिश में ही सड़कें उखड़ने लगती हैं। उसके बाद नई सड़कों के बनने में लंबा समय लग जाता है। नई सड़कों के बनाने में पुरानी गलतियों को सुधारा भी नहीं जाता। इसी कारण हादसे होते रहते हैं।

सवाल यह है कि देश की सड़कों की क्वालिटी राजधानी नई दिल्ली क्षेत्र की सड़कों की तरह कब होंगी? यह हर तरह से विश्वस्तरीय सड़कें हैं। अगर आप राजधानी में रहते हैं तो आपको पता होगा कि नई दिल्ली की सड़कें लंदन, पेरिस या न्यूयार्क की सड़कों जैसी ही बेहतरीन हैं। पर इनपर भी वाहन चलाने वाले बहुत से लोगों को वाहन चलाने की तमीज नहीं होती। वे भी यातायात नियमों का खुलकर उल्लंघन करते हैं। यह शर्मनाक स्थिति है कि लाखों रुपए की कार चलाने वाले किस हद तक गैर-जिम्मेदार हैं। जब इन्हें यातायात पुलिस पकड़ती है तब ये बेशर्मी से गिड़गिड़ा रहे होते हैं।

अब यह भी जान लेते हैं कि नई दिल्ली की बेहतरीन सड़कों को सबसे पहले किसने तैयार किया था? उस शख्स का नाम था सरदार नारायण सिंह। उन्होंने नई दिल्ली की सभी खास सड़कों को तैयार करवाया था। इनमें राजपथ और जनपथ भी शामिल थी। ये बातें 1931 से कुछ पहले की हैं। ये सब सड़कें देश की नई राजधानी नई दिल्ली के उद्घाटन से पहले ही तैयार हो गई थीं। सरदार नारायण सिंह को इन सड़कों को तैयार करने का ठेका मिला था। उस दौर में सड़कों के नीचे भारी पत्थर डाले जाते थे। फिर रोड़ी और तारकोल से सड़कें बनायी जाती थीं। अब नारायण सिंह जैसे ठेकेदार कहाँ रहे।

नई दिल्ली के चीफ आर्किटेक्ट एडविन लुटियन ने नारायण सिंह को नई दिल्ली की सड़कों को तैयार करने का ठेका दिया था। नारायण सिंह सड़कों को बनाने के लिए राजस्थान से मजदूर लेकर आए थे। बहरहाल, अब राजधानी और देश के प्रमुख शहरों की सड़कें बिटुमिनस तकनीक से बनती हैं। बिटुमिनस तकनीक के आने से पहले 26 जनवरी को राजपथ टैंकों के चलने के कारण बुरी तरह खराब हो जाती थी। पर अब यह नहीं होता। इसका अभीतक का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है। खास बात है कि यह सड़क पूरी तरह से प्रदूषण फ्री हैं। सड़क बनाने की इस तकनीक को सेंटर रोड रिसर्च इन्स्टिट्यूट (सीआरआरआई) और इंडियन रोड कांग्रेस (आईआरसी) के वैज्ञानिकों ने खोजा है।

दरअसल सड़क निर्माण से पूर्व यह देखा जाना चाहिए कि उधर की जलवायु कैसी है, भूजल का स्तर कितना है और वहां पर ड्रेनेज सिस्टम किस तरह का है? इन सभी बिन्दुओं पर गौर करने के बाद ही सड़कें बननी चाहिए। पर ज्यादातर देखने में यही आया है कि इस तरफ ध्यान नहीं दिया जाता। इसलिए हमारे यहां की अधिकतर सड़कें लंबे समय तक टिकी नहीं रहती।

देखिए सड़कों के निर्माण में लगे भ्रष्ट और बेशर्म तत्वों पर चाबुक चलानी होगी। चूंकि सड़कों के निर्माण का हर सरकार का अरबों का बजट होता है। इसलिए कुछ संदिग्ध तत्व उस बजट के कुछ हिस्से को अपनी जेब में डालने की फिराक में लगे रहते हैं। इनमें सड़कों का निर्माण करने वाली कुछ कंपनियां, ठेकेदार, सरकारी मुलाजिम वगैरह शामिल होते हैं। इन सबके गठजोड़ को तोड़ने की जरूरत है। इनका खेल लंबे समय से चल रहा है। इनके लालच के कारण हर साल हजारों मासूमों की जानें चली जाती हैं। यह तुरंत बंद होना चाहिए। अब देश को चाहिए स्तरीय और टिकाऊ सड़कें। याद रख लें कि किसी भी देश के विकास और प्रगति की पहचान उसकी सड़कों से ही होती है। एक कहावत है कि अमेरिका इसलिये अमेरिका नहीं है कि वहां की सड़कें बेहतरीन हैं, बल्कि यह कहा जाय कि बेहतरीन सड़कों के कारण ही अमेरिका महान और सुन्दर देश है।

अगर नितिन गड़करी स्वयं कह रहे हैं कि सड़कों के खराब डिजाइन बनाने वालों पर कार्रवाई होगी तो आप समझ सकते हैं कि हमारे यहां अब भी सड़कों के डिजाइन और निर्माण में खूब खेल होता है। गडकरी जी एक सक्रिय और असरदार केन्द्रीय भूतल परिवहन मंत्री हैं। वे अपने काम को बेहद गंभीरता से लेते हैं और गजब की मेहनत करते हैं। ईमानदार और परिणाम देने वाले अफसरों को पुरस्कृत और पारितोषिक देने में भी आगे रहते हैं और कामचोर अफसरों को दंड देने में भी हिचकते नहीं हैं। इसलिए वे सड़कों के निर्माण पर जो कह रहे हैं किसी तथ्य के आधार पर ही कह रहे होंगे, अतः उनकी बातों को पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

कविता

अपना देश अपनी धरती
सभी धर्म पनपते कोई जहाँ पर गैर नहीं
,
निर्मल है नाता भिन्न जाति पर भेद नहीं।
हरी -भरी जहाँ धरती उगले हीरा मोती,
गंगा धोएं पाप यमुना कल-कल बहती।
श्रीकृष्ण के गीता के प्रवचन जहाँ गुंजते,
मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को जहाँ पूजते।
अशोक कर्ण स्वाभिमानी प्रताप का देश,
वसुधैव कुटुंबकम् का देता जन को संदेश।
सकल जग में संस्कृति संस्कार जहाँ से पले,
पुनीत आत्मभाव सकल जग को संग ले चलें।
प्रेम अपनत्व भाईचारा की जहाँ गंगा बहती,
जन गण मन व वंदेमातरम् की गूँज उठती।
तिरंगे की आन खातिर वीर योद्धा मर मिटते,
भारत माँ की जयघोष आगे रिपु न टिकते।
शस्य श्यामला वसुधा अनुपम पर्वत घाटी,
माथे लगाएं तिलक जहाँ चंदन सी माटी।
जहाँ राम कृष्ण गौतम नानक प्रताप हुए,
जहाँ तुलसी सूर कृष्णभक्त मीरा कबीर हुए।
सकल जहान ने समझा गणित विज्ञान जहाँ
मथुरा काशी प्रयाग और चारों धाम जहाँ।
वीरों की पुनीत धरा ये अपना देश अपनी धरती ,
तेरे रजकण का कर चंदन तुझे अभिनंदन करती।

स्वरचित एवं मौलिक
सुमन राठौड़
झाझड

भूल न जाना

मत भूलना अपना बचपन
अपनी वो शैतानियां
भूल न जाना अपनापन
अपनी वो कहानियां ।
गिरते थे तुम रोज - रोज
खाते थे जो छड़ियां
हाथ घायल हो जाता था
लेते थे सिसकियां ।
बंद कमरे में अकेले
झांकते थे खिड़कियां
नित्य चिढ़ाती थी आकर
तुमको सभी लड़कियां ।
भूल न जाना वो बातें
जो गुजरी उस दरमियां
मत भूलना अपना बचपन
अपनी वो शैतानियां ।

ज्ञानन्द चौबे
केतात, पलामू
झारखंड

यूनिवर्सल पेंशन

भारत की 860 मिलियन मजबूत कामकाजी आबादी (15-64 वर्ष), जो कि दुनिया की सबसे बड़ी आयु है, उम्र बढ़ने लगी है। अगले 33 वर्षों में, 2050 तक, 324 मिलियन भारतीय, या 20त्न आबादी 60 वर्ष से अधिक आयु के होंगे। अगर पेंशन आज भी केवल 35त्न वरिष्ठ नागरिकों को कवर करना जारी रखती है, तो यह 200 मिलियन, या भारत की बुजुर्ग आबादी का 61.7त्न, 2050 तक किसी भी आय सुरक्षा के बिना होगा। केंद्र इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था के तहत प्रति माह 200 रुपये का भुगतान करता है। 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक भारतीय को गरीबी योजना (गरीबी रेखा के तहत तेंदुलकर समिति के अनुसार शहरी क्षेत्र में 33 रुपये प्रतिदिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 27 रुपये प्रतिदिन खर्च करने की क्षमता) के तहत हर भारतीय को पेंशन योजना। राज्यों को इस राशि में जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और वे कवरेज का विस्तार करने के लिए स्वतंत्र हैं। वर्तमान में, राज्य 200 रुपये और 2,000 रुपये के बीच सार्वजनिक पेंशन के रूप में कुछ भी भुगतान करते हैं। पेंशन, शारीरिक क्षीणता और तुलनात्मक रूप से प्रतिबंधित आय-सृजन के अवसरों के कारण आय में कमी के चेहरे पर गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक उपभोग स्तर की निरंतरता का आश्वासन है। 75 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थी प्रति माह 750 रुपये के हकदार थे। इन पेंशनों ने असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले बुजुर्ग भारतीयों को, जिन्हें रिटायर होने के लिए सार्वजनिक पेंशन की सबसे अधिक आवश्यकता है, की अनुमति नहीं दी। ये पात्रताएँ तेंदुलकर समिति के अनुसार ग्रामीण में न्यूनतम गरीबी रेखा की खपत के 27 रुपये और शहरी में 33 रुपये प्रति दिन का समर्थन नहीं करती हैं। बोलीविया, एक छोटी अर्थव्यवस्था वाला देश है, लेकिन अन्य आर्थिक संकेतकों पर भारत की तुलना में, प्रति माह लगभग 38 डॉलर, 2,400 रुपये से थोड़ा अधिक, अपने पेंशन कार्यक्रम, रेंटा डिग्नीडैड के हिस्से के रूप में प्रदान करता है। बोलीविया जैसे सभ्य पेंशन कार्यक्रमों वाले अधिकांश देश प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के 15 से 25त्न के बीच कहीं भी एक पात्रता राशि सुनिश्चित करते हैं। औसत जीवन प्रत्याशा, समाज की आयु संरचना और शारीरिक शोष जैसे कई कारकों को उस उम्र की जानकारी देनी चाहिए जिस पर पेंशन शुरू की जाती है। 60 साल की उम्र में कई औद्योगिक रूप से उन्नत देशों की तरह पेंशन शुरू करता है। लेकिन भारत में औसत जीवन प्रत्याशा - 68 वर्ष - औद्योगिक रूप से उन्नत देशों की तुलना में बहुत कम है। नीति और जनमत के बीच का विचलन सभी तीन मापदंडों में देखा जाता है - सार्वभौमिकता, पर्याप्तता और साथ ही जिस उम्र में पेंशन शुरू की गई है। यह सार्वभौमिकता और पर्याप्तता के मुद्दे पर है कि दीक्षा की आयु की तुलना में नीति से तुलनात्मक रूप से उच्च स्तर का विचलन है।

सलिल सरोज, नई दिल्ली

चेहरा सहमा सा लगता है

प्रारूप आज संबंधों का
बदला-बदला सा लगता
है
अब राह बदलकर
चलते हैं
चेहरा सहमा सा लगता
है..।।
अब सहज नहीं मिलना जुलना
दिनचर्या सबकी बदल गई
हालातों से बेबस होकर
हर पल अब डर सा लगता है..।।
मिलना-जुलना अब सहज नहीं
दूरी रिश्तों पर हावी है
हम मधुर मिलन को तरस रहे
हर प्रेम अधूरा सा लगता है..।।
जीवनयापन की चिंता ने
छीनीं सबकी मुस्कानें हैं
अब चेहरे पर बसती चिंता
चेहरा मुरझाया सा लगता है..।।
खुशियों को किसकी नज़र लगी
भयभीत आज हर खुशी लगे
सब पहले जैसा हो जाए
जीवन फीका सा लगता है..।।
जीवन फीका सा लगता है..।।

विजय कनौजिया
ग्राम व पत्रालय-काही
जनपद-अम्बेडकर नगर(उ0 प्र0)

किसान आंदोलन और अधूरे ख्वाब

देश की हुकूमत और किसानों के बीच पांचवें दौर की बातचीत बेनतीजा साबित होते ही साफ हो गया है कि यह संघर्ष अभी जारी रहेगा। मौजूदा सरकार के छह वर्ष लंबे कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब देश की राजधानी दस दिनों से अस्त-व्यस्त है। हालांकि, मैं किसानों की समस्याओं के लिए किसी एक सरकार या शख्सियत को कुसूरवार नहीं मानता। यह शताब्दियों लंबा सिलसिला है, जिसे आजाद भारत की सभी सरकारें सुलझाने में नाकामयाब रही हैं। सरकार ने किसानों को 9 दिसंबर को फिर बातचीत के लिए बुलाया है। इस बीच किसानों का आंदोलन जारी रहेगा। तय है, मौजूदा संघर्ष का हल आज नहीं तो कल, निकल ही आएगा। पर क्या इससे किसानों और किसानी की कायापलट हो जाएगी? क्या भारत की कृषि व्यवस्था पर मंडरा रहे काले बादल सदा-सर्वदा के लिए छंट जाएंगे? क्या किसान अपनी चिर मुफलिसी से मुक्त हो सकेंगे? और क्या उनकी आत्महत्याओं का सिलसिला थम सकेगा? आज मैं इन सवालों के जवाब ढूंढ़ने के लिए आपको अतीत की एक कथा बताता हूं। जब 1967 का अकाल पड़ा था, तब मेरे पिता मिर्जापुर में तैनात थे। मैंने स्कूल जाना शुरू ही किया था, पर यह महसूस होने लगा था कि शहर की फिजां बदल रही है। आसपास के आदिवासी और गांव वाले काम अथवा भोजन की तलाश में शहर या बड़े कस्बों की ओर आते थे, पर अक्सर उन्हें निराशा के साथ लौटना पड़ता। जो लोग उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति का माद्दा रखते थे, वे खुद अभावग्रस्त थे। गेहूं दुर्लभ वस्तु बन गया था। राशन की दुकानों पर अमेरिका से आया लाल गेहूं बंटा करता, नतीजतन कालाबाजारी जोरों पर थी। बाद के वर्षों में अपने गांव की यात्राओं के दौरान मैंने बार-बार यह पाया कि 90 फीसदी से ज्यादा किसानों की बदहाली दूर नहीं हो रही। आबादी के विस्तार के साथ उनकी जोत छोटी होती जा रही थी। इसके अलावा भी तमाम दिक्कतें थीं। वे परंपरागत फसलें उगाना पसंद करते थे। कोई उन्हें यह बताने वाला नहीं था कि कैसे आप कुछ और उगाकर अपनी तकदीर बदल सकते हैं। मौसम मेहरबान हो, तो फसल के बाद की जिंदगी कुछ आसान हो जाती थी और यदि वह अनुकूल न रहा, तो प्रतिकूलता और बढ़ जाती थी। इसी बीच हरित क्रांति आई।

ग्लोबल सिटीजन प्राइज अवार्डस में परफॉर्म करेंगी प्रियंका चौपड़ा

प्रियंका चोपड़ा जोनस इस साल होने वाले ग्लोबल सिटीजन प्राइज अवार्डस में परफॉर्म करेंगी। इस कार्यक्रम को गायक जॉन लीजेंड होस्ट करेंगे। इस शो में एलेसिया कारा, कैरी अंडरवुड, कॉमन, ग्वेन स्टेफनी, जोजो और तोरी केली के परफोर्मेंस भी शामिल होंगे, इसके अलावा अभिनेता निकोलज भी परफॉम करेंगे। प्रियंका के पति निक जोनास भी कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। पुरस्कार समारोह को 19 दिसंबर को विश्व स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा। बता दें कि यह पुरस्कार अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने की दिशा में काम करने वाले लोगों को दिया जाता है।

अभिनेता रणवीर सिंह काम के लिए भटके 3 साल

बैंड बाजा बारात के जरिए मिला था पहला बड़ा ब्रेक

बॉलीवुड के अतरंगी अभिनेता रणवीर सिंह ने फिल्म दुनिया में एक दशक पूरा कर लिया है। बैंड बाजा बारात से अपने करियर की शुरुआत करने वाले रणवीर सिंह ने इस इंडस्ट्री में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। रणवीर ने बतौर एक्टर ऐसे किरदार निभाए हैं कि वे ना सिर्फ दर्शकों के फेवरेट बन गए बल्कि खुद उनकी एक्टिंग भी निखरकर सामने आने लगी। बाजीराव से लेकर गली बॉय के मुराद तक, उन्होंने हर किरदार में जान फूंक दी। लेकिन जिस कलाकार का नाम आज सभी की जुभान पर चढ़ा रहता है, एक समय ऐसा भी था जब उसे दर-दर की ठोकर खानी पड़ती थी।

जब उसे अपना पोर्टफोलियो सभी को दिखाना पड़ता था। एक इंटरव्यू में रणवीर सिंह ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया है। उनके मुताबिक तीन साल तक वे सिर्फ और सिर्फ काम की तलाश में घूमते रहे थे। उन्हें कोई बड़ा ब्रेक नहीं मिल रहा था। इस बारे में वे कहते हैं- साढ़े तीन साल तक मैं अंधेरे में ही था। कोशिश कर रहा था कि कहीं ब्रेक मिल जाए। पोर्टफोलियो लेकर कई ऑफिस के चक्कर काटे थे। मेरे लिए उस वक्त ये सोचना ही बड़ी बात थी कि मैं एक बड़ा एक्टर बन जाऊंगा, लीड रोल प्ले करूंगा। लेकिन माता-पिता के आशीर्वाद से मैं आगे बढ़ता रहा। रणवीर के मुताबिक उन्होंने बैंड बाजा बारात के जरिए अपना डेब्यू जरूर किया था, लेकिन वे उस फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थे। दो साल पहले एक इंटरव्यू में रणवीर ने बताया था कि इस फिल्म के लिए रणबीर कपूर को लेने की तैयारी थी। एक्टर ने कहा था- रणबीर ने बैंड बाजा बारात के लिए मना कर दिया था। यशराज को एक नए चेहरे की तलाश थी। मुझे फोन आया और मैंने इस मौके जाने नहीं दिया। मैंने कोई मॉडलिंग या म्यूजिक वीडियो नहीं किया था। अपने चेहरे को हमेशा छिपाकर रखा। लेकिन फिर मुझे ये बड़ा ब्रेक मिल गया। वर्क फ्रंट पर रणवीर सिंह अब फिल्म 83 में नजर आने वाले हैं। फिल्म में रणवीर, कपिल देव का रोल निभाने जा रहे हैं। कोरोना की वजह से फिल्म को कई बार पोस्टपोन किया जा चुका है।

बॉलीवुड के भाईजान सलमान बने किसान, खेती-बाड़ी करते दिखाई दिए

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कोरोनाकाल में अपना समय खेती-किसानी करते बिताया। वैसे इन दिनों वे टीवी रिएलिटी शो बिग बॉस को लेकर भी सुर्खियों में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर सलमान काफी सक्रिय रहते हैं और अपने अंदाज के लिए चर्चा का विषय बने रहते हैं। सलमान खान ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह खेती किसानी करते दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में वह खेत में फावड़ा लेकर काम करते दिखाई दे रहे हैं।

सोशल मीडिया यूजर और सलमान के फैंस को ये तस्वीर काफी पसंद आ रही है। सलमान खान ने कोरोना काल के दौरान खेती करने का नया ट्रेंड शुरू कर दिया था। सलमान ने लंबे समय तक अपने पनवेल वाले फॉर्म हाउस पर तो क्वालिटी टाइम स्पेंड किया ही था और उन्होंने वहां खेतीबाड़ी कर सभी को हैरान भी किया था। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया है- धरती मां...सलमान खान ने अपनी इस फोटो को इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर किया है। ये पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने खेती करती हुई अपनी फोटो शेयर की हो। इससे पहले लॉकडाउन के दौरान भी सलमान खान ने बुआई करते हुए और ट्रैक्टर चलाते हुए कई वीडियो और फोटो शेयर किये थे। सलमान खान ने फार्महाउस में रहते हुए लॉकडाउन के दौरान धान की खेती भी की थी। आपको बता दें कि हाल ही में सलमान खान ने अपनी एक शर्टलेस फोटो भी शेयर की थी। पोस्ट वर्कआउट की उस फोटो में सलमान खान की तगड़ी मसल्स देख सभी बस उनकी तारीफ करने को मजबूर हो गए। उनका शर्टलेस होना ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा देता है। वर्कफ्रंट पर सलमान खान फिल्म 'राधे' में नजर आने वाले हैं। फिल्म को अगले साल रिलीज करने की तैयारी है। वहीं उन्होंने फिल्म 'अंतिम' की शूटिंग भी शुरू कर दी है।

सारा ने वरुण के साथ डांस करने को बताया किस्मत

अभिनेत्री सारा अली खान अपनी आने वाली फिल्म 'कुली नंबर 1' की रिलीज की तैयारियों में जुटी हुई हैं। इस बीच उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की। यह तस्वीर गीत 'हुस्न है सुहाना' की है। इस तस्वीर के साथ सारा ने एक मजेदार कैप्शन लिखा कि वरुण धवन मेरे मेट हैं, उनके साथ डांस करना मेरा फेट है। अभी आ गया गाना सो य वेट जल्दी वॉच इट-डोंट बी लेट। बता दें कि 'कुली नंबर 1' साल 1995 में इसी नाम से आई गोविंदा और करिश्मा कपूर की फिल्म का रीमेक है, जिसे वरुण के पिता डेविड धवन ने निर्देशित किया था। इस फिल्म के अलावा, सारा अपनी एक और अगली फिल्म 'अतरंगी रे' में अक्षय कुमार और धनुष के साथ दिखाई देंगी।

शालिनी के साथ डेब्यू करेंगे आमिर के बेटे जुनैद!

सुपरहिट फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' की हिरोइन है शालिनी

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान के बेटे जुनैद भी जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि जुनैद पिछले कुछ समय से अपनी आने वाली फिल्म की तैयारी कर रहे हैं और वह यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली फिल्म से डेब्यू करेंगे। खबर तो यहां तक आ रही है कि जुनैद के ऑपोजिट हिरोइन को भी साइन कर लिया गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुनैद के ऑपोजिट तेलुगू सुपरहिट फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' की हिरोइन शालिनी पांडे को साइन किया गया है। शालिनी पांडे बॉलिवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ऑपोजिट फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से करेंगी। हालांकि अभी तक जुनैद के डेब्यू वाली फिल्म की कास्ट को मेकर्स ने कन्फर्म नहीं किया है। कहा जा रहा है कि इसकी शूटिंग 2021 में शुरू होगी और इसे सिद्धार्थ मल्होत्रा डायरेक्ट करेंगे।कहा जा रहा है कि शालिनी ने यशराज फिल्म्स के साथ 3 फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है और जुनैद के डेब्यू वाली फिल्म उनकी दूसरी फिल्म होगी। बताया तो यह भी जा रहा है कि इस फिल्म में जुनैद और शालिनी के अलावा शरवारी वाघ भी होंगी जो 'बंटी और बबली 2' से डेब्यू करने जा रही हैं।

नए विज्ञापन से सुर्खियों में हैं संजना ऐड देख पूजा बेदी हुई आगबबूला

बॉलीवुड एक्ट्रेस संजना सांघी का इन दिनों एक और नया विज्ञापन सुर्खियों में हैं, जिसकी सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रहा है। 'दिल बेचारा' एक्ट्रेस का ये विज्ञापन देखने के बाद पूजा बेदी आगबूबला हो गई, उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पुरुषों के खिलाफ घरेलू हिंसा स्वीकार्य नहीं है। संजना इन दिनों लायंसगेट प्ले के एक विज्ञापन में नजर आ रही हैं, जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पुरुषों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने जैसे है। विज्ञापन में संजना सांघी और दूसरे अभिनेता को एक युगल के रूप में दिखाता है। वीडियो में संजना का को-स्टार ये जानने की कोशिश करता है कि स्ट्रीमिंग ऐप पर किस फिल्म को देखना है। संजना 8 बार उन्हें थप्पड़ मारती है और आखिर में वह उसे रोक देता है। सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन की जमकर आलोचना हो रही है। विज्ञापन के खिलाफ गुस्सा करने वालों में एक्ट्रेस पूजा बेदी भी हैं। लिखा- बिल्कुल भयावह इस विज्ञापन को देखा। पुरुषों के खिलाफ घरेलू हिंसा स्वीकार्य नहीं है। क्या होगा अगर एक आदमी इस सलाह में एक महिला को थप्पड़ मार दे? यह विज्ञापन बोर्ड को कभी साफ नहीं करना चाहिए! सोशल मीडिया पर अन्य लोगों ने भी पूजा के विचारों पर हामी भरी। एक यूजर ने लिखा- ये लोग कौन हैं। कुछ ट्विटर यूजर्स ने विज्ञापन मानक परिषद को भी टैग किया और उन्हें कार्रवाई करने के लिए कहा है।

फिल्म 'बॉब बिस्वास' की कोलकाता में शूटिंग पूरी

अभिनेता अभिषेक और चित्रांगदा सिंह ने अपनी आगामी फिल्म 'बॉब बिस्वास' की कोलकाता में शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म को कोलकाता में 43 दिनों तक फिल्माया गया। निर्देशक अन्नपूर्णा घोष की यह पहली फीचर फिल्म है। उनकी पिछली लघुफिल्म को साल 2018 में प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव के लिए चुना गया था। इस फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरूआत में शुरू हुई थी, लेकिन कोरोनावायरस महामारी के कारण इसे आगे के लिए टाल दिया गया था। टीम ने 23 नवंबर को अपने दूसरे शेड्यूल के साथ कोलकाता में फिर से शूटिंग शुरू की और 9 दिसंबर को पूरी कर ली। फिल्म की शूटिंग के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग के मानदंडों का पूरा ख्याल रखा गया। सुजॉय घोष की बाउंड स्क्रिप्ट प्रोडक्शन और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा इस फिल्म को निर्मित किया गया है। इस बारे में लिखा कि एक बहुत खास फिल्म 'बॉब बिस्वास' की शूटिंग पूरी हो गई है। जल्द ही आपसे मुलाकात होगी।

राजस्थान पंचायत चुनावों में कांग्रेस को मिली हार के बाद अजय माकन का राजस्थान दौरा

गहलोत या पायलट किसके खेमे को संगठन नियुक्तियों में तरजीह

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में फिर से सियासी घमासान की सुगबुगाहट के बीच प्रदेश प्रभारी अजय माकन राजस्थान दौरे पर आएंगे। माकन का यह दौरा सरकार की दूसरी वर्षगांठ से पहले होने की संभावना है। दरअसल राजस्थान सहित अन्य राज्यों में एक के बाद एक मिल रही हार के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सभी प्रभारियों को अपने प्रदेश में अधिक दौरे करने के निर्देश दिए हैं।

अजय माकन का यह दौरा इस मायने में अहम है कि इसके बाद राजस्थान में संगठन और राजनीतिक नियुक्तियों का रास्ता साफ़ हो जाएगा। प्रदेश में 20 दिसंबर तक आचार संहिता है इसलिए राजनीतिक नियुक्तियों का काम इसके बाद ही होगा। इन नियुक्तियों में सीएम अशोक गहलोत व सचिन पायलट कैंप दोनों को माकन किस तरह साध पाएंगे इस पर सबकी नजर होगी। मुख्यमंत्री गहलोत ने हाल ही में इशारों-इशारों में पायलट खेमे पर जिस तरह से सरकार को

अस्थिर करने के आरोप लगाए उससे यह स्पष्ट हैं कि संगठन व राजनीतिक नियुक्तियों में वे पायलट खेमे को तरजीह देने को कतई तैयार नहीं हैं। दूसरी ओर माकन ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस आलाकमान पायलट खेमे को नजरअंदाज नहीं करेगा। माकन पहले ही कह चुके हैं कि दिसंबर और जनवरी के बीच राजस्थान कांग्रेस में संगठन और राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

कई सवालों का सामना करना पड़ सकता है माकन को

निकाय और पंचायत चुनावों में कांग्रेस के मंत्रियों और कई विधायकों को हार का मुंह देखना पड़ा है और इसकी जिम्मेदारी से माकन भी नहीं बच सकते। यह सवाल उठेगा कि जब चुनावों से पहले टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी में असंतोष पनप रहा था और यह बात सामने आई थी कि मंत्री-विधायक अपने रिश्तेदारों को ही टिकट बांट रहे हैं तब संगठन की तरफ से इसमें दखल क्यों नहीं दिया गया? एक वरिष्ठ विधायक का कहना है कि हार के बाद इन मंत्रियों और विधायकों की जवाबदेही क्यों नहीं तय की गई? ऐसे कई सवाल हैं जो राजस्थान दौरे में अजय माकन का इंतजार कर रहे होंगे।

बिहार में बेखौफ अपराधी: गया में हथियारबंद लुटेरों ने चार घरों में डाका डाला, 10 लाख कैश और गहने लूटे

गया। बिहार में अपराधियों में शासन और प्रशासन का खौफ खत्म हो गया है। एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश लॉ एंड ऑर्डर पर सख्ती बरतने के निर्देश दे रहे हैं वहीं दूसरी ओर अपराधी एक पर एक वारदात कर खुली चुनौती पेश कर रहे हैं। नया मामला गया का है। जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के गोबराहा टोला जहाना में रविवार की रात हथियारबंद अपराधियों ने भीषण डाका डाला। जानकारी के अनुसार बेलागंज थाना क्षेत्र के गोबराहा टोला जहाना में रविवार की रात 12 से ज्यादा हथियारबंद अपराधियों ने चार ग्रामीणों के घरों में डाका डाला। इस दौरान लुटेरों ने कई राउंड फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दिया। ग्रामीणों ने बताया कि लुटेरों ने स्थानीय ग्रामीणा भूषण केवट, प्रवेशी केवट, फोनू यादव और नगीना यादव के घरों में डाका डालते हुए लगभग दस लाख रुपये मूल्य के सोने चांदी के गहने और नगदी समेत अन्य मूल्यवान सामानों को लूट लिया। सूचना पर पहुंची बेलागंज थाने की पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

भारतीय सेना में शामिल होने का था सपना... पर तीन लोगों से परेशान होकर की खुदकुशी

मुंबई। महाराष्ट्र के पंढरपुर में तीन व्यक्तियों द्वारा लगातार परेशान किए जाने से तंग आकर 17 साल की एक किशोरी ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि सात दिसंबर की सुबह को लड़की अपने घर में फांसी के फंदे से लटकती मृत मिली। अधिकारी का कहना है कि भारतीय सेना में शामिल होने का सपना पालने वाली इस किशोरी ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें उसने तीनों व्यक्तियों के नाम लिये हैं। पंढरपुर थाने के वरिष्ठ निरीक्षक प्रशांत भास्मे ने कहा कि हमने तीनों व्यक्तियों को भादसं की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है।

उन्होंने कहा कि सुसाइड नोट के मुताबिक आरोपियों में एक ने उसका हाथ पकड़ा था और इसके बारे में किसी को न बताने की धमकी दी थी। अधिकारी ने बताया कि उसके तीन बाद लड़की ने अपनी जान दे दी, और उसके परिवारवालों को उसके एक नोटबुक में यह सुसाइड नोट मिला। भास्मे ने कहा कि नोट में लड़की ने लिखा कि सैनिक की वर्दी पहनने और तिरंगे का बैज लगाने का उसका सपना सच नहीं होगा क्योंकि वह तीनों आरोपियों द्वारा परेशान किये

जाने के कारण खुदकुशी करने जा रही है। वहीं महाराष्ट्र के पुणे शहर की 15 वर्षीय स्कूली छात्रा को ऑनलाइन पढ़ाई के लिये इस्तेमाल किये जा रहे एक लोकप्रिय वीडियो कॉन्फ्रेंस ऐप पर कथित रूप से अश्लील संदेश और धमकी मिलने का मामला सामने आया है, जिसकी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत भोसारी एमआईडीसी थाने में दर्ज प्राथमिकी के हवाले से रविवार को कहा कि छात्रा के अलावा उसके पिता और स्कूल के प्रधानाध्यापक को भी ऐसे ही संदेश भेजे गए हैं। अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता को इस साल जून में भी ऐसे संदेश भेजे गए थे, जिसके बाद उसने और उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले की गई जांच के दौरान कुछ नहीं मिलने के बाद मामले को बंद कर दिया गया था। बीते तीन महीने में उसे ऐसे संदेश नहीं भेजे गए, लेकिन हाल ही में दोबारा ऐसे संदेश मिलने लगे। अधिकारी ने कहा कि लड़की के पिता और उसके स्कूल के प्रधानाध्यापक को भी अश्लील ई-मेल भेजे गए। उन्होंने कहा कि इन अश्लील संदेशों के अलावा कुछ संदेश ऐसे भी थे, जिनमें भेजने वाले ने जान से मारने की धमकी दी। संदेश भेजने वाले ने लड़की को आत्महत्या के लिये उकसाने का भी प्रयास किया अधिकारी ने कहा कि अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री और हम सुप्रीमो जीतनराम मांझी कोरोना पॉजिटिव

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट करते हुए दी। उन्होंने लिखा कि आज मैंने अपना कोरोना का टेस्ट करवाया जिसकी रिपोर्ट पॉज़ीटिव आयी है। पिछले एक सप्ताह में जो लोग मेरे संपर्क में आएं हैं अथवा मैं उनसे मिला हूँ उनसे आग्रह है कि वह अपना कोरोना टेस्ट करवा लें। आपको बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में हम को 4 सीटें मिली थी। इसमें एक सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी खुद औरएक सीट पर उनकी समधिन ने जीत हासिल की। वहीं अन्य कैंडिडेट हैं। जीतन राम मांझी ने पहली 17वीं बिहार विधानसभा में पहले दो दिनों तक प्रोटेम स्पीकर की जिम्मेवारी संभाली थी।

हम पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव लड़ेगा–बिहार विधानसभा में अपनी उपस्थिति बेहतर करने से उत्साहित हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) ने पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारने का फैसला किया है। हम (से) की राष्ट्रीय परिषद ने पटना में रविवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया। इसको लेकर कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने को कहा गया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम जीतनराम मांझी की अध्यक्षता में उनके आवास पर हुई इस बैठक का संचालन राष्ट्रीय प्रधान महासचिव व मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने की। प्रदेश अध्यक्ष बीएल बैश्यन्त्री ने स्वागत किया। करीब पांच घंटे चली बैठक में श्री मांझी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से आज पार्टी मजबूत स्थिति में है। हमारे दल के चार विधायक एक विधान पार्षद हैं।

जनजीवन पर कोहरे का असर

रेलवे ने इन 8 स्पेशल ट्रेनों का परिचलन दो फरवरी तक किया रद्द

पटना। कोहरे के कारण यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षित रेल परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूर्व मध्य रेल ने चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। ये ट्रेनें 16 दिसंबर से दो फरवरी के बीच रद्द रहेंगी। पूर्व मध्य रेल के अधिकारियों ने बताया कि एक स्पेशल ट्रेन के परिचालन के दिनों में भी कमी कर दी गयी है। इसके पूर्व भी रेलवे ने आठ जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन की अवधि कम करने के साथ कई ट्रेनें रदद् की हैं। जानकारी के अनुसार गया एवं नई दिल्ली के बीच रोजाना चलायी जा रही गया नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन के परिचालन के दिनों में कमी की गई है। गाड़ी संख्या 02397 गया नई दिल्ली गया से 28 दिसंबर तक सोमवार, शुक्रवार व रविवार को रद्द रहेगी। वहीं, 02398 नई दिल्ली गया स्पेशल 29 दिसंबर तक हफ्ते में मंगलवार, शनिवार व सोमवार को रद्द रहेगी।

ये ट्रेनें रहेंगी पूर्णतः रद्द

ट्रेन संख्या	कहां से कहां तक	रद्द होने की तिथि
03257	दानापुर आनंद विहार	16 से 31 दिसंबर
03258	आनंद विहार दानापुर	17 से एक फरवरी
04006	आनंद विहार सीतामढ़ी	16 से 31 जनवरी
04005	सीतामढ़ी आनंद विहार	18 से 02 फरवरी
02549	कामाख्या आनंद विहार	16 से 31 जनवरी
02550	आनंद विहार कामख्या	18 से दो फरवरी
05483	अलीपुरद्वार दिल्ली	16 से 31 जनवरी
05484	दिल्ली अलीपुरद्वार	18 से 02 फरवरी

पटना एयरपोर्ट आने वाले सात विमान रहे लेट

विमान सेवाओं में सुधार हुआ है लेकिन दूसरी जगहों से पटना आने वाले विमान लेट हो रहे हैं। जहां से विमान ने उड़ान भरा वहां कोहरे के कारण उन्हें पटना में देरी हुई। सात विमान देरी से पहुंचे। नतीजतन यहां से जाने में भी इन सात विमानों की लेटलतीफी रही। पटना एयरपोर्ट पर पहला विमान दो घंटे 15 मिनट की देरी से सुबह 10.35 बजे पहुंचा। स्पाइसजेट की दिल्ली से आनेवाली फ्लाइट 8741 पटना में उतरने वाली पहली फ्लाइट थी जो 2.15 घंटा देरी से पहुंची। अन्य फ्लाइटों के समय में भी पहले की अपेक्षा सुधार हुआ लेकिन आंशिक लेटलतीफी जारी रही।

राजस्थान में आज हो जाएं चुनाव तो बीजेपी को मिलेगी कितनी सीटें?

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने रविवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के कुशासन से आमजन, किसान, युवा हताश एवं परेशान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसे हालात बन चुके हैं कि अगर आज विधानसभा के चुनाव हो जाये तो मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा तीन-चौथाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। सिंह ने पार्टी के जिला प्रमुखों, जिला उप-प्रमुखों, महापौर, उप-महापौरों का सम्मान किया। इस दौरान इन जनप्रतिनिधियों का श्रीफल, शॉल, पुष्प गुच्छ देकर एवं पार्टी का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से मोदी सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी गौरवान्वित हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के कार्यकर्ता हैं, इस पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि इस पार्टी के नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के सबसे बड़े नेता हैं, जो दुनियाभर में भारत का स्वाभिमान बढ़ा रहे हैं। मोदी सरकार की नीतियों से देश का हर वर्ग खुश है। जितना पैसा केन्द्र से जाता है उतना ही पैसा लाभान्वित को मिलता है। सम्मान समारोह में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ इत्यादि नेता मौजूद रहे।

वॉशिंगटन में ट्रंप के समर्थकों और विरोधियों में झड़प

हिंसा में 23 गिरफ्तार, एक की गोली लगने से मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों के समर्थन में हजारों लोगों ने वॉशिंगटन में रैलियां कीं। राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के

उम्मीदवार जो बाइडन ने जीत हासिल की है। ट्रंप समर्थक और ट्रंप विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच शनिवार शाम को हिंसा की छिट पुट घटनाएं हुई। डब्ल्यूआरसी-टीवी ने बताया कि चाकू लगने से घायल हुए चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग ने डब्ल्यूआरसी-टीवी को बताया कि 23 लोगों को हिंसा के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इन रैलियों में ट्रंप के अधिकतर समर्थकों ने मास्क नहीं पहना था। ऐसा माना जा रहा है कि बाइडन को 46वें राष्ट्रपति के तौर पर औपचारिक रूप से निर्वाचित करने के लिए इलेक्ट्रोरल कॉलेज की बैठक से मात्र दो दिन पहले अपनी ताकत दिखाने के लिए ये रैलियां की जा रही हैं।

कार्यकाल 20 जनवरी को खत्म होगा–ट्रंप का कार्यकाल 20 जनवरी को समाप्त होगा, लेकिन उन्होंने हाल में हुए चुनाव में बाइडन से हार स्वीकार नहीं की और चुनाव में धोखाधड़ी के निराधार आरोप लगाए हैं, जिन्हें विभिन्न अदालतों ने खारिज कर दिया है। न्यूयॉर्क के वेस्ट प्वॉइंट में थलसेना-नौसेना के बीच फुटबॉल मैच देखने के लिए जा रहे ट्रंप का मरीन वन हेलीकॉप्टर एक रैली के ऊपर से गुजरा, जिसको देखकर उनके समर्थक उत्साहित हो गए। ट्रंप समर्थकों ने पिछले कुछ सप्ताहों में रैलियां की हैं, लेकिन ट्रंप ने रैलियों को लेकर हैरानी जताते हुए शनिवार सुबह कहा, ÷वाह, धोखाधड़ी को रोकने के लिए वॉशिंगटन (डी.सी.) में हजारों लोग एकत्र हो रहे हैं। मुझे इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन मैं उनसे मुलाकात करूंगा।÷

ओलंपिया में गोली लगने से एक की मौत–अमेरिका में वॉशिंगटन के ओलंपिया क्षेत्र में रैली के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों तथा विरोधियों की बीच हुई झड़प के दौरान गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, ÷राजधानी के एक क्षेत्र में गोलीबारी हुई। इस मामले के संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना प्रदर्शन के दौरान घटित हुई।÷ पुलिस के अनुसार प्रदर्शन के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा चार सुरक्षा अधिकारी घायल हुए हैं। इससे पहले कम से कम 23 लोगों को गिरफ्तार किए जाने की सूचना था। फॉक्स न्यूज चैनल के अनुसार इस घटना में घायल हुए कम से कम आठ लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें दो सुरक्षा अधिकारी हैं।

वॉशिंगटन में 23 प्रदर्शनकारी हिरासत में–अमेरिका के वॉशिंगटन में पुलिस ने कम से कम 23 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। फॉक्स 5 डीसी ने मेयर मुरिएल बॉसेर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि कम से कम आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें दो विधि प्रवर्तन अधिकारी भी शामिल हैं।

अफगानिस्तान के कंधार में सेना की जवाबी कार्रवाई, 60 तालिबानी आतंकवादी ढेर

काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिणी कंधार प्रांत में पिछले 72 घंटों के दौरान सुरक्षाबलों की ओर से चलाए गए अभियान में सात आत्मघाती हमलावरों समेत 63 तालिबानी आतंकवादी मारे गए, जबकि 29 अन्य घायल हुए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा निदेशालय (एनडीएस) ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। एनडीएस के मुताबिक तीसरी इकाई मोर्टार दल की ओर से तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाकर हमला किया गया। पिछले एक सप्ताह से कंधार प्रांत में अफगान सुरक्षाबलों और तालिबानी आतंकवादियों के बीच भीषण हिंसक झड़पें हो रही हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक नौ दिसंबर से अब तक 150 से अधिक तालिबानी आतंकवादी मारे गए हैं। इससे पहले शनिवार को अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी यूएसएफओआर-ए ने तालिबान के ठिकानों पर हवाई हमले करने की पुष्टि की थी। अमेरिकी सेना ने यह हवाई हमला तालिबान की ओर से 10 दिसंबर को कंधार प्रांत के झारी जिले में अफगान सेना की एक चौकी को निशाना बनाकर किए गए हमले के बाद किया था।

असम कैबिनेट ने सरकारी मदरसों, संस्कृत स्कूलों को बंद करने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली। असम कैबिनेट ने सभी सरकारी मदरसों और संस्कृत स्कूलों को बंद करने के प्रस्ताव को रविवार को मंजूरी दे दी और इस सिलसिले में राज्य विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में एक विधेयक पेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के संसदीय कार्य मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने दी। असम सरकार के प्रवक्ता पटवारी ने कहा, मदरसा और संस्कृत स्कूलों से जुड़े वर्तमान कानूनों को निरस्त कर दिया जाएगा। विधानसभा के अगले सत्र में एक विधेयक पेश किया जाएगा। असम विधानसभा का शीतकालीन सत्र 28 दिसंबर से शुरू होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक के दौरान सरकारी मदरसों और संस्कृत स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया गया था। शिक्षा मंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने अक्टूबर में कहा था कि असम में 610 सरकारी मदरसे हैं और सरकार इन संस्थानों

पर प्रति वर्ष 260 करोड़ रुपये खर्च करती है। उन्होंने कहा था कि राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड असम को भंग कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा था कि सभी सरकारी मदरसे को उच्च विद्यालयों में तब्दील कर दिया जाएगा और वर्तमान छात्रों के लिए नया नामांकन नियमित छात्रों की तरह होगा। सरमा के मुताबिक संस्कृत स्कूलों को कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि संस्कृत स्कूलों के ढांचे का इस्तेमाल उन्हें भारतीय संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रवाद के शिक्षण एवं शोधन केंद्रों की तरह किया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा के उपाध्यक्ष अमीनुल हक लश्कर ने कहा था कि निजी मदरसों को बंद नहीं किया जाएगा। लश्कर ने नवंबर में कछार जिले में एक मदरसे की आधारशिला रखते हुए कहा था, इन (निजी) मदरसों को बंद नहीं किया जाएगा क्योंकि इन्होंने मुस्लिमों को जिंदा रखा है। पटवारी ने कहा कि राज्य कैबिनेट ने एक अलग प्रस्ताव को मंजूरी दी है ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि निजी शिक्षण संस्थानों के अधिकारी उन्हें संचालित करने से पहले सरकार से अनुमति हासिल करें। मंत्री ने कहा, निजी पक्ष बिना अनुमति के कई शैक्षणिक संस्थानों का गठन कर रहे हैं। कई महीनों तक इनका संचालन करने के बाद वे सरकार से अनुमति मांगते हैं। इसे अब अनुमति नहीं दी जाएगी।

अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने से पहले तालिबानी सरगना मंसूर ने पाकिस्तान में खरीदा था जीवन बीमा

इस्लामाबाद। अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए अफगान तालिबान के प्रमुख मुल्ला अख्तर मंसूर ने अपनी मौत से पहले पाकिस्तान में एक फर्जी पहचान का इस्तेमाल करके एक जीवन बीमा पॉलिसी खरीदी थी और उसके प्रीमियम के रूप में तीन लाख रुपए का भुगतान किया था। मंसूर 21 मई, 2016 को पाकिस्तान-ईरान सीमा के निकट हुए अमेरिकी ड्रोन के हमले में मारा गया था। वह जुलाई 2015 में अफगान-तालिबान का प्रमुख बना था। मंसूर और उसके भगौड़े साथियों के खिलाफ शनिवार को हुई आतंकवाद को वित्तीय मदद देने के एक मामले की सुनवाई के दौरान बीमा पॉलिसी के बारे में जानकारी मिली। डॉन समाचार पत्र ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने मंसूर और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। बीमा कंपनी ने मामले की सुनवाई के दौरान कराची में आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) को यह जानकारी मुहैया कराई। जांच के दौरान पता चला कि मंसूर और उसके साथी फर्जी पहचानों÷ के आधार पर संपत्तियां खरीदकर आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन एकत्र करने में मदद करते थे। उसने कराची में तीन करोड़ 20 लाख रुपए की कीमत के भूखंडों और मकानों समेत पांच सम्पत्तियां भी खरीदी थीं।

ब्रिटेन में क्रिसमस से पहले जारी हो सकती है ऑक्सफोर्ड की कोविड-19 वैक्सीन

नई दिल्ली। कोरोना के कारण जारी तबाही के बीच कई बड़ी वैक्सीन कंपनियां इस महामारी के लिए वैक्सीन बनाने में जुटी हैं। इस साल के अंत तक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की कोविड-19 वैक्सीन के ब्रिटेन में जारी होने की संभावना बहुत अधिक है। शोधकर्ताओं का कहना है कि ये क्रिसमस से पहले जारी हो सकती है। हालांकि ऑक्सफोर्ड और दवा की दिग्गज कंपनी एस्ट्राजेनेका के वैक्सीन को अभी तक यूके में उपयोग के लिए अप्रूवल नहीं मिला है। मेडिसिन और हेल्थकेयर उत्पादों के साथ नियामक एजेंसी (एमएचआरए) अभी भी परीक्षण डेटा की समीक्षा कर रहा है। सरकार ने टीके की 100 मिलियन खुराक और चार लाख कार्यकर्ताओं के मंजूरी के बाद की प्रक्रिया के लिए तैयार रखा है। दुनिया को सबसे ज्यादा उम्मीद देने वाली वैक्सीन यही है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इसे मिलकर बना रही हैं। ऐसे में ये भारत के लिए भी बड़ी खबर है। इसका भी फेज-3 का ट्रायल पूरा हो चुका है। ट्रायल ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और द जेनर इंस्टीट्यूट में पूरा किया गया।

शादी के चार दिन बाद ही दुल्हन को घर से निकाला बाहर

मोदीनगर। उत्तर प्रदेश के मोदी नगर में एक नई दुल्हन को शादी के चार दिन बाद ही घर से निकालने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि दहेज में कार व सोना ना लाने पर ससुरालियों ने नवविवाहिता को मारपीट कर घर घायल कर दिया। जब उसे मिलने परिजन आए तो उनके साथ मारपीट की गई। जिस कारण विवाहिता व उसके दो भाई घायल हो गए।

नवविवाहिता की चार दिन पहले ही शादी हुई थी। परिजनों ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव कलछीना निवासी धर्मेन्द्र सिंह ने अपनी पुत्र सिमरन की शादी चार दिन पहले मोदीनगर की एक कॉलोनी निवासी युवक के साथ हुई थी। बताया जा रहा है कि पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार शादी की थी। रविवार को धर्मेन्द्र सिंह अपने दो पुत्रों के साथ रविवार को अपने पुत्री को लेने के लिए मोदीनगर आए थे। पिता को देखकर नवविवाहिता ने जोर जोर से रोना शुरू कर दिया। विवाहिता ने अपने पिता को बताया कि दहेज में कार व सोना की ज्वैलरी नहीं लाने पर पति व अन्य ससुरालियां पहले दिन ही मारपीट कर रहे है। जब धर्मन्द्र ने ससुरालियों से बात की तो वह भडक़ गए और उन्होने उनके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब अपने पिता व भाईयों को बचाने

नवविवाहिता आई तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया और घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद नवविवाहिता अपने परिजनों के साथ मोदीनगर थाने पहुंची और तहरीर दी। थानाप्रभारी ने बताया कि घायलों को मेडिक़ल परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पति दे रहा अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी–वहीं मुरादनगर की एक कॉलोनी में आपसी झगड़े से नाराज होकर एक महिला का पति उसके अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। महिला ने थाने में तहरीर दी है। महिला की शादी सात वर्ष पूर्व निकट के गांव निवासी युवक के साथ हुई थी। महिला की एक तीन वर्षीय बेटी है। करीब एक वर्ष पूर्व किसी बात को लेकर पीड़िता का अपने पति के साथ मनमुटाव हो गया और वह बेटी को लेकर अपने मायके में रहने लगी। पीड़िता के अनुसार उसका पति विकृत मानसिकता का व्यक्ति है, जिसने बिना उसकी जानकारी के अश्लील फोटो खींच लिए थे। तीन दिन पूर्व आरोपित ने उक्त फोटो महिला को व्हाट्सएप पर भेजे, जिनको देखने के बाद महिला के होश उड़ गए। अब आरोपित महिला को उनके अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने इस बारे में मायके के लोगों को बताया। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है।

बीसीसीआई से हुए क्रिकेट संघ नाराज

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कई राज्यों के क्रिकेट संघ नाराज हो गये हैं। इसका कारण यह है कि बीसीसीआई ने इंग्लैंड टीम के भारत दौर के कार्यक्रम में इन क्रिकेट संघों के स्टेडियमों को जगह नहीं दी है। इंग्लैंड के भारत दौरे पर कुल 12 मैच खेले जाएंगे और ये सही मैच केवल 3 जगहों पर ही होंगे। जिसमें चेन्नई, पुणे और अहमदाबाद शामिल है। 12 में से 7 मैचों का आयोजन गुजरात क्रिकेट संघ करेगा। बीसीसीआई का कहना है कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए तीन ही स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे। वहीं नाराज क्रिकेट संघों का कहना है कि उनके स्टेडियमों को कार्यक्रम में जगह क्यों नहीं दी गयी। मुंबई क्रिकेट संघ का कहना है कि उनके यहां पिछले चार साल से कोई टेस्ट मैच नहीं हुआ है जबकि बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली ने 28 सितंबर को कहा था कि मुंबई और कोलकाता में इंग्लैंड सीरीज के मैच हो सकते हैं। अब बोर्ड की तरफ से जारी कार्यक्रम से हर कोई नाराज है। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के प्रमुख अभिषेक डालमिया ने पिछले दिनों सीएबी के सदस्यों से कहा था कि कोरोना के चलते इस साल भारत-दक्षिण अफ्रीका के मैच कोलकाता नहीं होंगे। इसलिए इंग्लैंड के खिलाफ यहां कुछ मैच हो सकते हैं पर अब कोलकाता को एक भी मैच की मेजबानी नहीं मिलने से वो भी नाराज हैं। उन्हें गांगुली ने भी कहा था कि कोलकाता में मैच होंगे पर ऐसा हुआ नहीं। भारत और इंग्लैंड के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच चेन्नई में 5 फरवरी से खेला जाएगा। पहले टेस्ट के साथ-साथ चेन्नई दूसरे टेस्ट मैच की भी मेजबानी करेगा। वहीं, शेष दो टेस्ट मैच अहमदाबाद के नवनिर्मित सरदार पटेल मोटेरा स्टेडियम में होंगे।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया-ए डे-नाइट टेस्ट ड्रॉ: शमी ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके

473 रन के टारगेट के जवाब में ऑस्ट्रेलिया टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 307 बनाए

कैनबरा ■ एजेंसी

भारतीय टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन दिवसीय डे-नाइट प्रैक्टिस टेस्ट ड्रॉ रहा। मैच में भारतीय टीम ने 473 रन का टारगेट सेट किया था। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम आखिरी दिन 4 विकेट गंवाकर 307 रन ही बना सकी। मैच में मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 5 (3+2) विकेट झटके। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 194 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया 108 रन ही बना सकी थी। भारतीय टीम ने पहली पारी में 86 रन की बढ़त हासिल की थी।

बुमराह ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट की पहली फिफ्टी लगाई

भारत ने पहली पारी में 123 पर 9 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद टीम को जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने संभाला। इन दोनों ने 10वें विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी निभाई और टीम का स्कोर 194 रन तक ले गए। इस दौरान बुमराह ने अपने करियर की पहली फर्स्ट क्लास फिफ्टी लगाई। सिराज 10वें विकेट के रूप में मिचेल स्वेपसन की बॉल पर कैच आउट हुए। वहीं, बुमराह 55 रन बनाकर नॉट आउट रहे।

विहारी और पंत का शतक दूसरी पारी में भारतीय टीम ने 4 विकेट पर 386 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इस इनिंग में भारत के हनुमा विहारी और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शानदार सेंचुरी लगाई। वहीं, मयंक अग्रवाल (61) और शुभमन गिल (65) ने अर्धशतक लगाए। विहारी 104 रन और पंत 103 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऋषभ पंत ने पहले टेस्ट के लिए दावेदारी पेश की

सिडनी। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और हनुमा विहारी ने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अभ्यास मैच में शतक लगाकर 17 दिसंबर से यहां होने वाले पहले दिन-रात्रि के टेस्ट मैच के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। इस मैच में ऋषभ ने 103 जबकि हनुमा ने 104 रन बनाये। को उस समय शतक तक पहुंचने के लिए 19 रन चाहिए थे जब जैक विल्डरमथ दूसरे दिन का आखिरी ओवर फेंक रहे थे। ऋषभ ने चार चौके और एक छक्का लगाकर शतक पूरा किया और वह 73 गेंद में 103 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और छह छक्के लगाए। वहीं दूसरी ओर हनुमा ने 194 गेंद में 104 रन की नाबाद पारी खेली। विहारी ने अपनी पारी में 13 चौके लगाए। वहीं युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने 78 गेंद में दस चौकों की मदद से 65 रन बनाए। दूसरे दिन के आखिरी सत्र में ऋषभ की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ए के गेंदबाजों पर दबाव आ ग या।

आज ऑस्ट्रेलियाई टीम से दोबारा जुड़ेंगे स्टार्क

एडीलेड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क 17 दिसंबर से भारत के खिलाफ खेली जाने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सोमवार को टीम से जुड़ेंगे। स्टार्क ने टी-20 सीरीज के पहले मैच के बाद से ही नही खेला है। उन्होंने तब परिवार के साथ समय बिताने के लिए टीम से अपना नाम वापस ले लिया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने एक बयान में कहा, स्टार्क ने पहले ही कहा था कि वह एडिलेड में दोबारा टीम के साथ जुड़ने को तैयार हैं और इसी के तहत वह सोमवार को ऑस्ट्रेलिया-ए टीम के साथ उड़ान भरेंगे। वह चार्टड विमान से टेस्ट टीम के सदस्य सीन एबॉट, जो बर्न?स, कैमरून ग्रीन, मार्कस हैरिस और मिशेल स्वेप्सन के साथ उड़ान भरेंगे। इस खिलाड़ी को डे-नाइट टेस्ट की तैयारी के लिए दो दिन मिलेंगे। टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने अपने एक बयान में कहा, इस कठिन समय में हम स्टार्क के साथ हैं। हम इस बात से खुश हैं कि उन्होंने कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताया है। जस्टिन लैंगर ने कहा, हम सोमवार को उनका स्वागत करने को तैयार हैं। स्टार्क का डे-नाइट टेस्ट में रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने सात डे-नाइट टेस्ट मैचों में 42 विकेट लिए हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा।

लंदन में विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में खेलते हुए ब्रिटेन के एंथोनी जोसुआ व बुल्गारिया के कुबर्त पुलेव एकदूसरे पर प्रहार करते हुए।

मेरीकॉम से प्रेरित हैं फुटबॉलर बाला देवी

नई दिल्ली। महिला फुटबॉलर बाला देवी ने कहा कि उन्हें स्टार मुक्केबाज एम सी मेरीकॉम से प्रेरणा मिलती है। बाला के अनुसार जिस प्रकार मेरीकॉम ने सफलता हासिल की है उसे देखकर उनका भी मनोबल बढ़ा है। यूरोप की शीर्ष लीग में पेशेवर फुटबॉल खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बाला ने मेरीकॉम की जमकर सराहना की है। बाला ने कहा कि मेरीकॉम बहुत ही साधारण परिवार से हैं, इसके बाद भी उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से कई रिकार्ड तोड़े हैं। यहां तक कि मां बनने के बाद भी उनका विश्व स्तर पर रिकार्ड तोड़ना और देश को गौरवान्वित करना जारी रहा। साल 2014 में एशियाई खेलों के दौरान हमले उनसे बातचीत की थी और उन्हें ट्रेनिंग करते हुए देखा था। वह बहुत ही जल्दी घुलमिल जाती हैं और खेलों के दौरान उन्होंने हमारा समर्थन भी किया था। बाला ने हाल में स्कॉटिश महिला प्रीमियर लीग में खेलते हुए रेंजर्स एफसी के लिये अपना पहला गोल भी किया था। उन्होंने जनवरी में रेंजर्स के साथ 18 महीने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। गोल के बाद काफी लोगों ने मुझे शुभकामनाए दी और कई इसके बारे में बात कर रहे थे और लिख रहे थे, जिससे मुझे काफी गर्व महसूस हुआ। इसके बाद मुझे ह्यएएफसी प्लेयर ऑफ द वीक' के लिए नामांकित किया गया और इतने महान खिलाड़ियों के साथ सूची में अपना नाम देखकर मुझे काफी खुशी हुई है।

आठवें ओलंपिक खेलों में भाग लेने कड़ी मेहनत कर रहे पेस

कोलकाता ■ एजेंसी

भारतीय टेनिस स्टार लिएंडर पेस ने कहा कि वह रिकार्ड आठवें ओलंपिक खेलों में भाग लेना चाहते हैं, इसके साथ ही अगले साल तोक्यो में होने वाले खेलों में हिस्सा लेने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पिछले साल क्रिसमस पर पेस ने कहा था कि 2020 उनका अंतिम सत्र होगा,इसमें तोक्यो ओलंपिक का आयोजन भी शामिल था। पेस ने कहा, तब किसी ने भी नहीं सोचा था कि हमें इतनी बड़ी महामारी का सामना करना होगा। इससे हम सभी को आत्ममंथन करना पड़ रहा है। लेकिन इस लंबे विश्राम के बाद मैं अच्छा महसूस कर रहा है। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि मैं शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तौर पर तैयार रहूंगा। मेरे लिये यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि भारत का नाम इतिहास की पुस्तकों में बना रहे और इसकारण है कि मैं 30 वर्षों से खेल रहा हूं। पेस अगले साल 23 जुलाई से शुरू होने वाले तोक्यो ओलंपिक तक 48 साल के हो जाएंगे लेकिन उन्होंने कहा कि उम्र केवल एक संख्या है।

विलियम्सन, बोल्ट की न्यूजीलैंड टी-20 टीम में वापसी, रोस टेलर हुए बाहर

ऑकलैंड ■ एजेंसी

बल्लेबाज और कप्तान केन विलियमसन और तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट 18 दिसंबर से शुरू होने वाली पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में लौट आए हैं। ये दोनों प्लेयर केवल आखिरी दो मैचों हैमिल्टन 20 दिसंबर और नेपियर 22 दिसंबर के लिए ही उपलब्ध होंगे। इसके अलावा रॉस टेलर को टीम से बाहर रखा गया है। मिचेल सेंटनर पहले टी 20 इंटरनेशनल में टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा- वेलिंगटन में मौजूदा टेस्ट के तीन दिन बाद टिम साउदी, काइल जैमीसन और डेरिल मिशेल के साथ टी-20 सीरीज शुरू होने के साथ ही टी-20 सीरीज केवल सीरीज के दूसरे और तीसरे गेम के लिए उपलब्ध होंगे। चयनकर्ता गेविन लार्सन ने कहा कि प्लेयरों को चुनना काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा- फॉर्म, चोटों और श्रृंखला के ओवरलैपिंग के संयोजन ने निश्चित रूप से इस घोषणा में कुछ जटिलता जोड़ दी है। गेविन लार्सन ने कहा- उनका (ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉनवे) शामिल होना और केन की वापसी का मतलब है कि हमने रॉस टेलर को छोड़ दिया है। रॉस को छोड ?ा कठोर निर्णय था। लार्सन ने कहा- अन्य बल्लेबाजों की गुणवत्ता और फॉर्म के कारण उनके लिए टीम में जगह नहीं बन पाई।

न्यूजीलैंड टी 20 टीम पहला मैच: मिशेल सेंटनर (कप्तान), टॉड एस्टल, डग ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, जैकब डफी, मार्टिन गुप्टिल, स्कॉट कुगलेइजन, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, टिम सेफर्ट (विकेटकीपर), ईश। सोढ़ी, ब्लेयर टिकर।

टी 20 टीम दूसरा-तीसरा मैच: केन विलियमसन (कप्तान), टॉड एस्टल, ट्रेंट बाउल्ट, डेवॉन कॉनवे, मार्टिन गुप्टिल, काइल जैमीसन, स्कॉट कुगलेइजन, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर) , ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

न्यूज. ब्रीफ

एक जनवरी से बदल जाएगा चेक भुगतान का नियम, फर्जी चेकों पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पॉजिटिव पे का नया नियम लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसका मकसद चेक का दुरुपयोग रोकना है। इसके साथ ही इससे फर्जी चेक के माध्यम से होने वाले फ्रॉड पर भी लगाम लगाई जा सकेगी। 'पॉजिटिव पे' सिस्टम के तहत किसी थर्ड पार्टी को चेक जारी (इश्यू) करने वाला व्यक्ति अपने बैंक को अपने चेक का डिटेल भी भेजेगा। 50,000 रुपए से ज्यादा रकम के चेक पॉजिटिव पे सिस्टम के तहत आएंगे। इस सिस्टम से एक तरह जहां चेक का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित बनेगा, वही चेक के क्लियरेंस में भी कम समय लगेगा। चेक जारी करने वाले व्यक्ति को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से चेक की तारीख, लाभार्थी का नाम, प्राप्तकर्ता और पेमेंट की रकम के बारे में दोबारा जानकारी देनी होगी। चेक जारी करने वाला व्यक्ति यह जानकारी एसएमएस, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या एटीएम जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दे सकता है। इसके बाद चेक पेमेंट से पहले इन जानकारियों को क्रॉस-चेक किया जाएगा। अगर इसमें कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो सीटीएस (चेक ट्रंकेशन सिस्टम) से इस बारे में संबंधित दोनों बैंकों को जानकारी दी जाएगी। यानी जिस बैंक का चेक काटा गया है और जिस बैंक में प्रस्तुत किया गया है। पॉजिटिव पे प्रक्रिया के तहत चेक इश्यू करने के बाद अकाउंट होल्डर को चेक की डिटेल बैंक के साथ साझा करनी होगी। इसमें चेक नंबर, चेक डेट, पाने वाले का नाम, अकाउंट नंबर, अमाउंट आदि के साथ-साथ चेक के फ्रंट और रिवर्स साइड की इमेज भी शामिल है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक इस प्रक्रिया के तहत चेक जारी करने वाले व्यक्ति की तरफ से चेक के बारे में दी गई जानकारी के आधार पर ही उसे प्रोसेस किया जाएगा। वॉल्यूम के लिहाज से देश में चेक के जरिए होने वाला 20 फीसदी ट्रांजेक्शन इस सिस्टम के दायरे में आएगा, जबकि वैल्यू के लिहाज से 80 फीसदी ट्रांजेक्शन इस सिस्टम के दायरे में आएगा।

अच्छी खबर: ईपीएफओ सदस्यों का इस महीने के अंत तक आ सकता है ब्याज

नई दिल्ली। ईपीएफओ के 6 करोड़ सदस्यों के लिए गुड न्यूज आ रही है। रिटायरमेंट फंड संस्था ईपीएफओ इस महीने के अंत तक 2019-20 के लिए 8.5 फीसदी ब्याज उनके ईपीएफ अकाउंट्स में डाल सकती है। इससे पहले ईपीएफओ ने सितंबर में इस ब्याज का भुगतान दो किस्तों में करने का फैसला किया था। पहली किस्त में 8.15 फीसदी और दूसरी किस्त में 0.35 फीसदी ब्याज दिया जाना था। लेकिन सूत्रों के मुताबिक लेबर मिनिस्ट्री ने वित्त मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजा है। इसमें वर्ष 2019-20 के लिए ईपीएफ पर 8.5 फीसदी ब्याज देने की बात कही गई है। वित्त मंत्रालय कुछ दिनों में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे सकता है। इस तरह इसी महीने पूरे ब्याज का भुगतान किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्रालय ने पिछले वित्त वर्ष के लिए ब्याज दर पर कुछ स्पष्टीकरण मांगा था जिसका समाधान हो चुका है। इस साल मार्च में ईपीएफओ की फैसला लेने वाली सर्वोच्च संस्था सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ने 2019-20 के लिए ईपीएफ पर 8.5 फीसदी ब्याज को मंजूरी दी थी। इस संस्था के अध्यक्ष लेबर मिनिस्टर संतोष गंगवार हैं। सितंबर में सीबीटी की वर्चुअल मीटिंग में ईपीएफओ ने पिछले वित्त वर्ष में 8.5 फीसदी ब्याज देने के वादे पर मुहर लगाई। लेकिन सीबीटी ने महामारी को देखते हुए दो किस्तों में ब्याज का भुगतान करने का फैसला किया। तब लेबर मिनिस्ट्री ने कहा था कि कोविड-19 महामारी से पैदा हुई असाधारण परिस्थितियों के कारण सीबीटी ने ब्याज दर के बारे में एजेंडे की समीक्षा की और केंद्र सरकार को उसी ब्याज दर की सिफारिश की। लेकिन दो किस्तों में इसके भुगतान का फैसला किया गया। सूत्रों के मुताबिक शेयर बाजार अब अच्छी स्थिति में है इसलिए एक ही बार में 8.5 फीसदी ब्याज क्रेडिट करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

अप्रिलिया एसएक्सआर 160 के प्री बुकिंग की शुरूआत की पियाजिओ इंडिया ने की

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

पियाजिओ इंडिया ने आज उनके जल्द ही लाँच होनेंवाली अप्रिलिया श्रेणी की एसएक्सआर 160 इस प्रिमियम स्कूटर के प्री बुकिंग की शुरूआत करनें की घोषणा की। यह बहुप्रतिक्षित प्रिमियम स्कूटर है, एसएक्सआर 160 का उत्पादन बारामती स्थित उत्पादन केंद्र में शुरू हो चुका है। अब यह स्कूटर आप वेबसाईट के साथ आप के नजदिकी अप्रिलिया डिलरशिप को भेट देकर रू। 5000 में प्री बुक कर सकते है।

बहुप्रतिक्षित प्रिमियम स्कूटर अप्रिलिया एसएक्सआर 160 में अप्रिलिया का विश्वस्तरीय डिजाईन है। इन में उच्च क्षमता से युक्त 160 सीसी बीएस 6 इंजन, थ्री वॉल्व फ्युएल इंजेक्शन क्लीन एमिशन इंजन तंत्रज्ञान के कारण अधिक शक्ती और टॉर्क प्राप्त होकर चालक को अनोखा राईडिंग अनुभव प्राप्त होता है। इस मे अनेक विशेषताओं के साथ रैप अराऊंड एलईडी हेडलाईट्स, एलईडी टेल लाईट्स, फुल डिजिटल क्लस्टर, मोबाईल कनेक्टिविटी का पर्याय, लंबी, बड़ी और आरामदायक सिटींग, एडजस्टेबल रिअर सस्पेन्शन, एबीएस के साथ डिस्क ब्रेक और अप्रिलिया का सिग्नेचर ग्राफिक्स का समावेश है। भारतीय परिस्थिती के अनुसार इटली में डिजाईन किए गए एसएक्सआर 160 में अनोखी स्टाईल, कार्यक्षमता और आरामदायक चलाने का अनुभव का सुयोग्य मिश्रण किया गया है, इन में आकर्षक अर्गोनॉमिक्स का समावेश किया गया है।

इस समय बोलते हुए पियाजिओ इंडिया के चेअरमन और व्यवस्थापकीय संचालक श्री। दिएगो ग्राफ्फी ने कहा उत्पादन केंद्र से हमारी प्रिमियम स्कूटर रहीं अप्रिलिया एसएक्सआर 160 का निर्माण होते देख खुशी का अहसास हो रहा है। 2020 साल कई चुनौतीयों से भरा है पर बहुप्रतिक्षित स्कूटर जल्द से जल्द लानें का हमारा वचन पूर्ण करनें के लिए हम वचनबध्द है। हमारा यह विश्वास है की अप्रिलिया एसएक्सआर 160 अगली पिढी के डिजाईन और तंत्रज्ञान की विशेषताओं के कारण अप्रिलिया के फैन्स में अनोखी छबी निर्माण करेगी। अप्रिलिया एसएक्सआर 160 यह आकर्षक ग्लॉसी रेड, मैट ब्ल्यू, ग्लॉसी व्हाईट और मैट ब्लैक इन रंगों में उपलब्ध है।

बैंकों में 14,500 करोड़ रुपए पूंजी डालने पर चौथी तिमाही में फैसला करेगा वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में शेष 14,500 करोड़ रुपए की पूंजी डालने के बारे में चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में फैसला करेगा। सूत्रों ने बताया कि पहली छमाही के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद यह तथ्य सामने आया है कि 12 सरकारी बैंकों में से पंजाब एंड सिंध बैंक को नियामकीय जरूरतों को पूरा करने के लिए 5,500 करोड़ रुपए की पूंजी की जरूरत है। ऐसे में सरकार ने पिछले माह इक्विटी शेयरों के तरजीही आवंटन से पंजाब एंड सिंध बैंक में पूंजी डालने की मंजूरी दी है। वित्त वर्ष 2020-21 की अनुदान की पूरक मांगों की पहली खेप के तहत संसद ने सितंबर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए 20,000 करोड़ रुपए की पूंजी मंजूर की है। इसमें से 5,500 करोड़ रुपए पंजाब एंड सिंध बैंक में डालने के बाद 14,500 करोड़ रुपए की राशि बची है। सूत्रों ने बताया कि तीसरी तिमाही के आंकड़ों के बाद प्रदर्शन की समीक्षा से बैंकों को स्पष्ट रूप से पता होगा कि कोविड-19 महामारी के बीच रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप ऋण के एकबारगी पुनर्गठन से उनपर कितना अतिरिक्त बोझ पड़ा है।

बीते वित्त वर्ष 2019-20 में सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 70,000 करोड़ रुपए की पूंजी डालने का प्रस्ताव किया था। हालांकि, 2020-21 के बजट में सरकार ने ऐसी कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई थी, क्योंकि उसका मानना था कि बैंक अपनी जरूरत के हिसाब से बाजार से पैसा जुटा लेंगे।

बीते वित्त वर्ष में पंजाब नेशनल बैंक को 16,091 करोड़ रुपए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 11,768 करोड़ रुपए, केनरा बैंक को 6,571 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक को 2,534 करोड़ रुपए की पूंजी मिली थी। इनके अलावा इलाहाबाद बैंक को 2,153 करोड़ रुपए, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को 1,666 करोड़ रुपए और आंध्रा बैंक को 200 करोड़ रुपए की पूंजी मिली थी। इन बैंकों का अब अन्य बैंकों में विलय हो चुका है। साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा को 7,000 करोड़ रुपए, इंडियन ओवरसीज बैंक को 4,360 करोड़ रुपए, यूको बैंक को 2,142 करोड़ रुपए, पंजाब एंड सिंध बैंक को 787 करोड़ रुपए तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 3,353 करोड़ रुपए की पूंजी सरकार की ओर से मिली थी।

2020-21 में अर्थव्यवस्था में आ सकती है 10 प्रतिशत की गिरावट : सेन

देश की वृहद आर्थिक स्थिति काफी अनिश्चित है और चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद प्रणव सेन ने यह अनुमान जताया है। सेन ने कहा नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था का कुल वृहद प्रबंधन बहुत अच्छा नहीं है, लेकिन अर्थव्यवस्था में यह सुस्ती उनके नियंत्रण से बाहर है। सेन ने कहा फिलहाल भारत की मौजूदा वृहद आर्थिक स्थिति काफी अनिश्चित है। मैं कहूंगा कि हमें बहुत-बहुत सतर्क रहना होगा। मुझे लगता है कि आसपास कुछ अधिक आशावाद का माहौल है। उन्होंने कहा चालू वित वर्ष यानी 2020-21 में भारत की अर्थव्यवस्था की वास्तविक वृद्धि दर नकारात्मक 10 प्रतिशत रहेगी। सेन ने कहा कि तिमाही जीडीपी आंकड़े अब भी कुछ कॉरपोरेट खातों पर आधारित होते हैं। कॉरपोरेट क्षेत्र का प्रदर्शन गैर-कॉरपोरेट क्षेत्र की तुलना में अधिक खराब नहीं रहा है।

शेयर बाजार यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा 11 दिसंबर को इमरजेंसी यूज के लिए फाइजर वैक्सीन को मंजूरी

अगले हफ्ते की तैयारी: शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी रह सकती है जारी

- क्विक रेस्टोरेंट चेन बर्गर किंग IPO की लिस्टिंग 14 दिसंबर को हो सकती है

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इस हफ्ते बाजार में शानदार तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स पहली बार 46 हजार के रिकॉर्ड स्तर के पार बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 13,500 के पार बंद होने में कामयाब रहा। शुक्रवार को बेंचमार्क इंडेक्स मजबूत वैश्विक संकेतों के कारण लगातार छह हफ्तों से बढ़त के साथ बंद हुए। ऐसे में अगले हफ्ते शेयर बाजार की चाल प्रमुख ग्लोबल इवेंट्स पर निर्भर करेगा। इसमें कोरोना वैक्सीन और विदेशी निवेश मुख्य होंगे।

बाजार में रिकॉर्ड तेजी

बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी उम्मीद से बेहतर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। इस हफ्ते सेंसेक्स एक हजार अंकों की बढ़त के साथ 46 हजार के पार और निफ्टी 255 से अधिक अंकों की तेजी के साथ 13,513 के रिकॉर्ड स्तरों पर बंद हुआ। वहीं आने वाले हफ्ते में बाजार के शुरूआती सत्र पर शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद आए IIP के आंकड़ों का असर रहेगा। बाजार के जानकारों के मुताबिक यह पॉजिटिव ही रह सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि और कौन से इवेंट बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं -

कोरोना वैक्सीन: कोविड-19 महामारी के लिए दुनियाभर में वैक्सीन को लेकर लगातार डेवलपमेंट देखी जा रही है। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 11 दिसंबर को इमरजेंसी यूज के लिए फाइजर वैक्सीन को मंजूरी दे दी। सऊदी अरब ने भी फाइजर वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। इससे पहले कनाडा, ब्रिटेन और बहरीन ने वैक्सीन को मंजूरी दी थी। हालांकि, भारत में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने सीरम इंस्टीच्युट और भारत बायोटेक के वैक्सीन को इमरजेंसी यूज के लिए मंजूरी नहीं दी है।

कोरोना संक्रमण: भारत में कोरोना मामलों की कुल संख्या 98.57 लाख के पार पहुंच गई है। इसमें 93.56 लाख मरीज रिकवर हो चुके हैं। वर्तमान में कुल 3.54 लाख कोरोना के एक्टिव मामले हैं। इस हफ्ते कोरोना वैक्सीन में डेवलपमेंट और कोरोना मामलों में गिरावट से बाजार में रिकॉर्ड बढ़त दर्ज की गई।

घरेलू संकेत: सोमवार को नवंबर माह के WPI और CPI आंकड़े जारी होंगे। इसके अलावा कई कंपनियों की सालाना बैठक है। इसमें जैन इरिगेशन, प्रभात डेयरी, गति, स्पाइस जेट और अन्य शामिल हैं। इसके अलावा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड प्रति शेयर 15 रुपए डिविडेंड का ऐलान होगा।

बर्गर किंग और मिसेस बेक्टर्स IPO अपडेट: क्विक रेस्टोरेंट चेन बर्गर किंग की लिस्टिंग 14 दिसंबर को हो सकती है। 11 दिसंबर को ग्रे मार्केट में शेयर 80 प्रतिशत प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। इश्यू प्राइस 60 रुपए प्रति शेयर की तुलना में प्रीमियम पर शेयर 44-45 रुपए ऊपर ट्रेड कर रहा है। इसके अलावा मिसेस बेक्टर्स का IPO सब्सक्रिप्शन भी 15 दिसंबर से शुरू होगा। इसका प्राइस बैंड 286-288 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है।

विदेशी निवेश: विदेशी संस्थागत विदेशी निवेशक दिसंबर में भी भारी निवेश कर रहे हैं। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक FII दिसंबर महीने में अबतक 26.92 हजार करोड़ रुपए के शेयर खरीद चुके हैं। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 18.62 हजार करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

अन्य विदेशी इवेंट: अगले दुनियाभर के प्रमुख देश नवंबर माह के आर्थिक गतिविधियों से जुड़े डेटा जारी करेंगे। सोमवार को चीन इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन और बेरोजगारी दर के आंकड़े पेश करेगा। मंगलवार को अमेरिका में इंडस्ट्रीयल और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन का डेटा जारी करेगा। इसके अलावा बुधवार को फेड ब्याज दरों पर निर्णय लेगा। जापान दिसंबर का मैन्युफैक्चरिंग PMI और नवंबर का ट्रेड बैलेंस जारी करेगा। वहीं, ब्रिटेन अक्टूबर माह के बेरोजगारी दर को जारी करेगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के लिए पूरी क्षमता के साथ लग जाएं: नगरीय विकास आयुक्त

नगरीय विकास विभाग के आयुक्त ने की स्वच्छता अभियान की समीक्षा

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में नगर निगम ग्वालियर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 13वीं रैंक प्राप्त की थी, नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों में बहुत क्षमता है, अब हमें स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में इससे अच्छी रैंक प्राप्त करनी है इसके लिए अभी से सभी पूरी क्षमता के साथ लग जाएं। कोई भी कार्य असंभव नहीं होता है, यदि आप सभी संकल्प ले लें तो ग्वालियर नगर निगम को स्वच्छता सर्वेक्षण में नम्बर-1 पर आने से कोई नहीं रोक सकता है। उक्ताशय के विचार नगरीय विकास विभाग मध्यप्रदेश के आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव ने सोमवार को ग्वालियर प्रवास के दौरान स्वच्छता अभियान की समीक्षा करते हुए निगम अधिकारियों के समक्ष व्यक्त किए। बालभवन के ऑडोरियम में आयोजित बैठक में संभागीय आयुक्त एवं निगम प्रशासक श्री आशीष सक्सैना, कलेक्टर श्री कौशेलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, अपर कलेक्टर श्री किशोर कान्याल, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह एवं नगरीय विकास विभाग के श्री नीलेश सहित नगर निगम के सभी अधिकारी उपस्थित रहे। नगरीय विकास विभाग मध्यप्रदेश के आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंक प्राप्त करने के लिए सबसे पहले डोर टू डोर कचरा संग्रहण को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करें, जिससे स्वच्छता अभियान को लेकर आमजनों में भी विश्वास आएगा और लोग स्वच्छता के लिए निगम प्रशासन के सहयोगी बनेंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए नगरीय विकास आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव ने कहा कि सभी

अधिकारी निगम प्रशासक एवं निगमायुक्त की लीडरशिप में कार्य करते हुए स्वच्छता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करें। स्मार्ट सिटी के माध्यम से भी स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छी योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित करें। इसके साथ ही नगर निगम की राजस्व वसूली पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि राजस्व वसूली में नगर निगम अभियान चलाकर पिछले वर्ष की वसूली से अधिक के टारगेट 31 दिसम्बर 2020 तक पूर्ण कर लें। इसके साथ ही भवन निर्माण अनुमति की प्रक्रिया में भी तेजी लाएं जिससे नागरिकों को सुविधा मिल सके। बैठक के प्रारंभ में नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने नगरीय विकास विभाग आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव को स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी तथा निगम द्वारा प्रारंभ किए गए मिशन-25 के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही यह भी बताया कि गत वर्ष नगर निगम ग्वालियर को ओडीएफ प्लस प्लस मिला था, इस बार निगम द्वारा वाटर प्लस के लिए एप्लाई किया गया है। अब हमारे दो सीवर ट्रीटमेंट प्लांट भी प्रारंभ हो गए हैं तथा नगर निगम द्वारा सीवर ट्रीटेड पानी का उपयोग गार्डनिंग, शौचालय, मूत्रालय, डिवाइडर, चैराहों की धुलाई में कर रहे हैं। इसके साथ ही भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार ही शौचलयों की व्यवस्थाएं आदि भी निगम द्वारा की जा रहीं हैं।

कचरा कलेक्शन के लिए किया वाहनों का पूजन

नगरीय विकास विभाग आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव ने नगर निगम ग्वालियर द्वारा कचरा कलेक्शन के लिए क्रय किए गए 10 नए टाटा 407 वाहनों का पूजन किया। निगम द्वारा शासकीय कंपनी जैम पोर्टल के माध्यम से सीधे टाटा कंपनी ने 10 टाटा 407 बीएस-6 वाहन क्रय किए गए हैं जिनकी कीमत प्रति वाहन 12 लाख 54 हजार रुपए है तथा 3 क्यूबिक मीटर क्षमता के वाहन हैं। इन वाहनों के आने से नगर निगम को कचरा संग्रहण कर ट्रांसपोर्टेशन में अत्याधिक सुविधा होगी। वाहनों के पूजन के समय संभागीय आयुक्त एवं निगम प्रशासक श्री आशीष सक्सैना एवं नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भूमाफियाओं पर ग्वालियर पुलिस व प्रशासन की कार्यवाही अवैध निर्माण को तोड़ शासकीय भूमि को कराया मुक्त

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस तथा प्रशासन द्वारा भूमाफिय्राओं तथा हिस्ट्रीशीटर के विरूद्ध की जारही कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघीएभापुसेके निर्देशानुसार व अति0 पुलिस अधीक्षक ग्वालियर देहात श्री जयराज कुबेर के मार्गदर्शन में अवैध रूप से कब्जा की गई शासकीय भूमियों को मुक्त करवाने हेतु जिले में की जा रही कार्यवाहियों के तहत आज दिनांक 14.12.2020 को थाना मोहना के अपराध क्रमांक 45.2019 धारा 3.4.5 अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के आरोपियों द्वारा कब्जा की गई शासकीय जमीन पर बने ढाबे तथा गुमटियों को तोड़कर उक्त जमीन को मुक्त कराया। उक्त कार्यवाही के दौरान एसडीएम श्री यूनुस कुरैशीए एसडीओपी घांटीगांव श्री प्रवीण अष्ठाना तहसीलदार एनएल वर्माएथाना प्रभारी मोहना निरी. महेश शर्मा के साथ पुलिस व प्रशासन का बल भी उपस्थित रहा। पुलिस तथा प्रशासन की इस प्रकार की कार्यवाहियां भविष्य में भी जारी रहेंगी।

स्वस्चछता के साथ-साथ सम्पत्तिकर वसूली पर भी विशेष ध्यान दें

नगरीय प्रशासन आयुक्त निकुंज श्रीवास्तव ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा

ग्वालियर। शहर में स्वच्छता के साथ-साथ राजस्व वसूली पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिये अधिक से अधिक सम्पत्तिकर वसूल किया जाए। राजस्व वसूली के कार्य में किसी भी प्रकार की ढ़िलाई न बरती जाए। अभियान चलाकर वसूली की जाए। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव ने सोमवार को बाल भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में यह बात कही। बाल भवन में आयोजित बैठक में संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह, एडीएम श्री किशोर कान्याल सहित निगम के सभी अपर आयुक्त और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय प्रशासन विभाग के आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव ने कहा कि ग्वालियर में ईको ग्रीन कंपनी के जाने के पश्चात डोर टू डोर कचरा प्रबंधन के कार्य में जो व्यवधान आया है, उसे दूर करने के लिये जो भी उपाय किए जा सकते हैं उन्हें करें और डोर टू डोर कचरा कलेक्शन प्रारंभ करें। इसके लिये नगर निगम ग्वालियर नए वाहन क्रय करने के साथ-साथ पुराने वाहनों की मरम्मत का कार्य भी तेजी के साथ

करें, ताकि सभी वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि कचरा प्रबंधन के कार्य में आम जनों की सहभागिता और जागरूकता के लिये भी निगम विशेष प्रयास करे। नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री निकुंज श्रीवासतव ने बैठक में यह भी कहा कि ईको ग्रीन कंपनी के स्थान पर नई कंपनी के लिये निगम टेण्डर प्रक्रिया भी तत्परता से करे। जब तक नई कंपनी नहीं आती है तब तक निगम अपने संसाधनों से पूरी क्षमता के साथ कचरा प्रबंधन का कार्य करे। उन्होंने राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान भी निर्देशित किया कि ग्वालियर नगर निगम की राजस्व वसूली लक्ष्य के अनुरूप नहीं है। वसूली बढ़ाने की दिशा में भी प्रभावी कार्रवाई की जाए। राज्य शासन द्वारा सम्पत्तिकर 31 दिसम्बर तक जमा करने पर सरचार्ज में छूट प्रदान की गई है, इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि सम्पत्तिकरदाता छूट का लाभ उठाकर अपने कर की राशि जमा कर सके। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की भी विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कहा गया कि जो आवास बनकर तैयार हो गए हैं उन्हें हितग्राहियों को प्रदान करने हेतु अभियान चलाकर कार्य किया जाए। इसके साथ ही आवास एवं कॉमर्शियल दुकानें जो प्रधानमंत्री आवास परिसर में उपलब्ध हैं उन्हें भी विक्रय करने के प्रयास किए जाएं ताकि योजना के क्रियान्वयन हेतु धनराशि प्राप्त हो सके। बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई।

जन समस्याओं के निराकरण के लिये जिला पंचायत मे स्थापित अभिलाषा केन्द्र सक्रिय

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण के बढते प्रकोप एवं उसके बचाव की दृष्टि से जिला एवं जनपद पंचायत में स्थापित अभिलाषा केन्द्र में जन सुनवाई कार्यक्रम स्थगित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा ने संज्ञान में लेते हुये जनसुविधा की दृष्टि से समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये जिला एवं जनपद पंचायत सहित समस्त ग्रामपंचायत मुख्यालय पर अभिलाषा केन्द्र को और अधिक प्रभावी एवं सक्रियता से कार्य करने के लिये निर्देश दिये।जिला पंचायत में स्थापित अभिलाषा केन्द्र आज प्रातः 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक खुला रहा।सोमवार से शुक्रवार तक शासकीय अवकाश को छोडकर नियत समय तक ग्रामीण जन अपनी समस्या से संबधित लिखित आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। जिसका निराकरण समय सीमा मे किया जावेगा। इसी के साथ ही सीईओ जिला पंचायत श्री वर्मा ने समस्त मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देशित किया कि जनपद एवं ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्थापित अभिलाषा केन्द्र पर अधिक प्रभावी रूप से ग्रामीण जनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जावे।

एड्स की बीमारी छुआछुत न होकर जागरूकता के द्वारा बचाव संभवः डॉ. कुशवाह

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिये एड्स व रक्त संबंधी जानकारी एन.एस.एस. माधव महाविद्यालय स्वयं सेवको को दीः डॉ. कुशवाह (रेड रिबिन क्लब माधव महाविद्यालय द्वारा एन.एस.एस. स्वयंसेवको को एच.आई.वी. की जानकारी के लिये जागरूकता कार्यक्रम)

ग्वालियर। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं का संगठन है जिसमें युवाओं द्वारा जीवन के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर चर्चा की जा सके जिसके लिये एम.पी. सेक्स द्वारा रेड रिबिन क्लब का गठन विभिन्न महाविद्यालयों में किया गया। महाविद्यालय में पढ़ने वाले युवा छात्र छात्रायें ऐसे होते है जिनकी उम्र लगभग 18 वर्ष के आस-पास रहती है और कई प्रकार के बदलाव उनके शरीर में होते है। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा एड्स व अन्य बिमारियों की जानकारी के लिये रेड रिबिन क्लब द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता है। एच.आई.वी. एड्स के विरूद्ध जनजागरूकता हेतु विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिय राज्य स्तर पर प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इन विषयों से संबंधित जानकारी के लिये एक उद्बोधन कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. अरूण कुशवाह जयारोग्य चिकित्सालय ग्वालियर, अध्यक्षता डॉ. रविकांत अदालतवाले समन्वयक जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, जिला संगठक ग्वालियर डॉ. मनोज अवस्थी एवं वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय ग्वालियर उपस्थित थे।

डॉ. कुशवाह ने बताया कि एच.आई.वी. वायरस द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता नष्ठ होने के उपरांत प्रकट होने वाले लक्षणों के द्वारा एड्स नामक बिमारी पनपती है जिन व्यक्ति के शरीर में यह विषाणु होता है उन्हें समय रहते दवा के द्वारा ठीक किया जा सकता है। एड्स के मुख्य चार रास्त है जिसमें सबसे अधिक सक्रमण रक्त के द्वारा मनुष्य के शरीर में पहुचता है क्योंकि रक्त के इस्तेमाल होने वाली सूइयां शरीर के अंदर जाकर एच.आई.वी. व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से पहुच सकती है। एच.आई.वी सक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन सबंध भी इस बिमारी का कारण व जानलेवा है गर्भवती महिला के द्वारा शिशु में यह लक्षण पहुचता है जिसकी जांच पहले करा लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय कुमार पाण्डेय व अभार डॉ. मनोज अवस्थी ने किया। डॉ. अदालतवाले ने बताया कि रेड रिबिन क्लब की मुख्य भूमिका लोगों में यह जागृति फैलाना है कि एड्स सक्रमित व्यक्ति के द्वारा छुआछुत की यह बिमारी नहीं है उसे समाज से बहिष्कृत नहीं करना चाहिए। रेड रिबिन क्लब युवाओं के सुरक्षित व स्वस्थ्य जीवन शैली को अपनाने, रक्तदान करने, नशे से दूर रहने व एच.आई.वी. की भ्रांतियों को दूरे करने के लिये बनाया गया युवाओं का संगठन है। महाविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता 16 दिसम्बर ऑनलाईन दोपरह 12.00 बजे मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में अंकुर चौरसिया, करण बरूआ, यश किरार, पूर्वी बोरगांवकर, साक्षी गुप्ता, हेमंत मांझाी, अनिरूद्ध शर्मा, अंकुश अरोरा, आदि लोग उपस्थित थे।

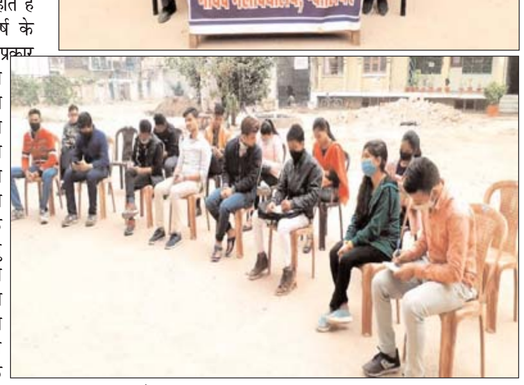

ऊर्जा हानियों का स्तर कम किया जाए: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए संदेश देते हुए कहा है कि ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। ऊर्जा ने विभिन्न रूपों में हमारी जीवन-शैली में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। इन विभिन्न रूपों में बिजली ऊर्जा का वह प्रकार है जो सबको सुगमता से हर कहीं उपलब्ध और सुलभ है। यही कारण है कि ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों को भी बिजली के रूप में बदलकर उसका उपयोग प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, कृषि जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार एवं पर्यटन जैसे सुख-साधन में भी किया जा रहा है। यह संदेश जारी किया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में हमारी जीवन-शैली में तेजी से बदलाव हो रहा है। उदाहरण के रूप में जो काम हम दिन के उजाले में सरलता से कर सकते हैं उन्हें भी हम देर रात तक बिजली की व्यवस्था करके करते हैं। और तो और हम अपने कार्यालयों में बड़े-बड़े पर्दे लगाकर प्राकृतिक प्रकाश में काम करने के बजाए बिजली का उपयोग प्रकाश के लिए कर रहे हैं। हमारी दिनचर्या इस प्रकार बदलती जा रही है कि ऊर्जा की मांग भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि एक अनुमान के अनुसार विद्युत के गुणवत्तापूर्ण उपयोग तथा उचित प्रबंधन और अनावश्यक उपयोग पर अंकुश लगाकर औद्योगिक क्षेत्र में 20 से 25 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 25 से 30 प्रतिशत तथा घरेलू एवं वाणिज्यिक क्षेत्र में 15 से 20 प्रतिशत तक बिजली की बचत की जा सकती है। यदि हम ऊर्जा हानियों में कमी ला सकें और उपभोक्ताओं को ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रेरित कर सकें, तो प्रदेश का हित ऊर्जा क्षेत्र में और अधिक कर सकते हैं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया है कि ऊर्जा बचत और ऊर्जा दक्षता के लाभों को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न उपाय लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। भारत शासन के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन स्वायत्तशासी निकाय ''ऊर्जा दक्षता ब्यूरो'' ने विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा बचत को ध्यान में रखते हुए योजनाएं प्रारंभ की हैं। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विभिन्न उपकरणों में ऊर्जा दक्षता की रेटिंग के लिए बीईई स्टार लेबल जारी किए हैं। यह स्टार लेबल ऊर्जा दक्षता के रेटिंग के मानकीकरण और मानक परीक्षण परिस्थितियों में ऊर्जा की खपत को इंगित करने के लिए बनाये गये हैं। रेफ्रिजरेटर, एसी तथा अन्य ऊर्जा उपकरण खरीदते समय आपने इन बीईई स्टार लेबल को अवश्य देखा होगा। पॉच स्टार का मतलब सबसे अधिक ऊर्जा दक्ष उपकरण और उससे कम स्टार पर उससे कम दक्ष उपकरण। अधिक ऊर्जा दक्ष उपकरण से ऊर्जा खपत में अधिक कमी कर पैसा बचाया जा सकता है।

सम्पर्क व कॉल का समय 11 से 4 बजे तक ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ रैरा रजिस्टर्ड फर्म

सौम्या प्रोपर्टी डीलर

आवासीय, कॉमर्शियल, इण्डस्ट्रीयल, एग्रीकल्चर भूमि खरीदने, बेचने व रेन्ट (किराये) पर लेने, निवेश के लिये एवं प्रोपर्टी व्यवसाय से जुड़ने के लिये भी सम्पर्क करें :-

9301759475, 9713253992

ऑफिस : शॉप नं. 3-4, तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपु इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478